राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 206 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,16 जनवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

सेना प्रमुख का चीन व पाकिस्तान को कड़ा संदेश, बोले - हमारे धैर्य की परीक्षा न लें

नई दिल्ली, एजेंसियां। भारतीय सेना आज अपना 73वां स्थापना दिवस मना रही है। इस मौके पर सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवाने ने चीन और पाकिस्तान को चेताते हुए कहा कि हम चर्चा और राजनीतिक प्रयासों के माध्यम से अपने विवादों का समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन किसी को भी हमारे धैर्य की परीक्षा लेने की गलती नहीं करनी चाहिए। उन्होंने इस दौरान यह भी कहा कि आप सभी उत्तरी सीमाओं पर चीन के साथ चल रहे तनाव से अवगत हैं। सीमाओं पर एकतरफा स्थिति बदलने की साजिश को लेकर जोरदार जवाब दिया गया। उन्होंने देश को आश्वस्त किया कि गलवन के बहादुरों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।

सेना प्रमुख जनरल नरवाने यह भी कहा कि पिछले साल, एलओसी के पास और आतंकवाद-रोधी अभियानों में सेना ने 200 से अधिक आतंकवादियों का सफाया किया। लगभग 300-400 आतंकवादी भारतीय सीमा में घुसपैठ करने के लिए सीमा के पास प्रशिक्षण शिविरों में बैठे हैं। पिछले वर्ष संघर्ष विराम उल्लंघन की संख्या में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पाकिस्तान के नापाक

इरादों को दर्शाता है। सेना प्रमुख जनरल नरवाने ने अपने संबोधन में कहा कि सेना अपने आधुनिकीकरण की दिशा में ठोस कदम उठा रही है।आपातकालीन और फास्ट-ट्रैक योजनाओं के तहत, सेना ने लगभग 5,000 करोड़ रुपये के उपकरण खरीदे और पिछले साल पूंजीगत खरीद के तहत 13,000 करोड़ रुपये के अनुबंध किए।

इससे पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत, सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवाने, भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया और नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सेना प्रमुख ने करियप्पा ग्राउंड में परेड का निरीक्षण किया।

सेना दिवस परेड 2021 के दौरान सेना के पांच जवानों ने विभिन्न ऑपरेशन में वीरता दिखाने के लिए मरणोपरांत सेना पदक से सम्मानित किया गया। 10 पैरा स्पेशल फोर्सेस यूनिट के नाइक संदीप को जम्मू - कश्मीर में दो आतंकवादियों को मारने और अपने स्क्वाड कमांडर की जान बचाने के लिए मरणोपरांत सेना पदक से सम्मानित किया गया।

इससे पहले आर्मी डे पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने वीर जवानों के नाम अपना संदेश दिया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ट्वीट किया, सेना दिवस पर, भारतीय सेना के बहादुर पुरुषों और महिलाओं को बधाई। हम उन बहादुरों को याद करते हैं जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया। भारत साहसी और प्रतिबद्ध सैनिकों और उनके परिवारों के लिए हमेशा आभारी रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, मां भारती की रक्षा में पल-पल मुस्तैद देश के पराक्रमी सैनिकों और उनके परिजनों को सेना दिवस की हार्दिक बधाई। हमारी सेना सशक्त, साहसी और संकल्पबद्ध है, जिसने हमेशा देश का सिर गर्व से ऊंचा किया है। समस्त देशवासियों की ओर से भारतीय सेना को मेरा नमन। सीडीएस रावत ने ट्वीट किया, हम उन वीर जवानों को श्रद्धांजलि देते हैं और उनका आभार व्यक्त करते हैं, जिनकी कर्तव्य के प्रति वीरता और सर्वोच्च बलिदान हमें नए सिरे से दृढ़ता के साथ खुद को समर्पित करने के लिए प्रेरित करता है।

गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया, भारतीय सेना शौर्य और पराक्रम की प्रतीक है। देश के बहादुर सैनिकों के अदम्य साहस और बलिदान को नमन करता हूं। राष्ट्र के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा और समर्पण पर सभी देशवासियों को गर्व है। हमारे वीर जवानों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को 'थल सेना दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना के जवानों और उनके परिवारों को बधाई। देश भारतीय सेना के अदम्य साहस, पराक्रम और बलिदान को सलाम करता है। भारत को राष्ट्र के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा पर गर्व है।

बता दें कि आज ही के दिन 1949 में भारतीय सेना के पहले कमांडर इन चीफ का पद केएम करियप्पा ने संभाला था। उन्हें फील्ड मार्शल की फाइव स्टार रैंक से सम्मानित किया गया।

विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान आज से होगा शुरू, पीएम मोदी करेंगे करेंगे शुभारंभ

नई दिल्ली । कोरोना की रोकथाम के लिए शनिवार 16 जनवरी से देश में शुरू होने जा रहे टीकाकरण अभियान का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक साथ शुरू होने वाले इस अभियान के लिए दोनों वैक्सीन देशभर में पहुंचाने का काम गुरुवार को भी तत्परता से जारी रहा। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार पूरे देश में एक साथ शुरू होने वाला यह अभियान विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान है। जन भागीदारी सिद्धांत पर आधारित इस अभियान के लिए सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। पीएमओ के अनुसार सुबह 10.30 बजे प्रधानमंत्री वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये अभियान की शुरुआत करेंगे। पहले दिन देश भर में कुल 3006 केंद्रों पर एक साथ टीकाकरण शुरू होगा। एक केंद्र में एक सत्र में लगभग 100 लोगों को ही टीका लगाया जाएगा। हालांकि कुछ सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री पहले दिन टीका लगवाने वाले चुनिंदा स्वास्थ्य कमियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग से संवाद भी कर सकते हैं।

दिल्ली के एम्स और सफदरजंग अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि उनके टीकाकरण केंद्र में दोनों ओर संवाद करने की व्यवस्था की गई है। पीएमओ के बयान में कहा गया कि पहले चरण में सरकारी और निजी क्षेत्र के स्वास्थ्य कर्मियों को वरीयता के आधार पर टीका लगाया जाएगा। इनमें समन्वित बाल विकास योजनाओं के कर्मचारी भी

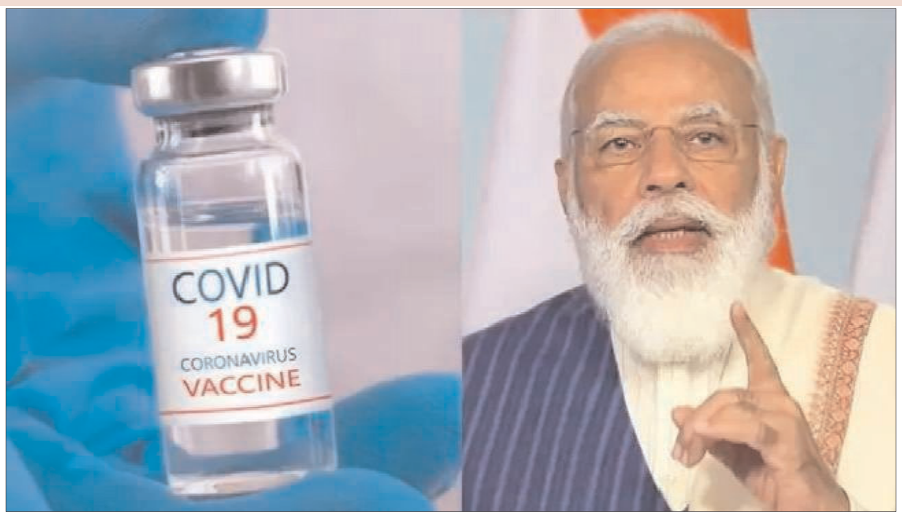

शामिल होंगे।

उल्लेखनीय है इस माह की शुरुआत में भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआइ) ने सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया की वैक्सीन कोविशील्ड को मंजूरी दी थी। साथ ही भारत बायोटेक की स्वदेशी वैक्सीन कोवैक्सीन के सीमित आपात इस्तेमाल पर भी सहमति दी थी। इसके बाद ही देश में बृहद टीकाकरण अभियान का रास्ता खुला। टीकाकरण अभियान को सुचारु रूप से चलाने और सारी व्यवस्थाओं पर आनलाइन नजर रखने के लिए सरकार ने को-विन नाम का प्लेटफार्म विकसित किया है। इसके जरिए देश भर में वैक्सीन की उपलब्धता, भंडारण तापमान और लाभान्वितों की जानकारी रियल टाइम पर ली जा सकेगी।

पीएमओ के अनुसार टीकाकरण के काम में लगी मशीनरी के लिए को-विन बहुत मददगार होगा। इसके अलावा 24 घंटे काम करने वाली 1075 नंबर की लाइन स्थापित की जा रही है। इस नंबर पर फोन करके कोरोना, वैक्सीन और को-विन साफ्टवेयर से संबंधित सवालों के जवाब हासिल किए जा सकते हैं। इस बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कोरोना के टीकाकरण अभियान शुरू होने के कारण पोलियो ड्राप पिलाने के अभियान की तिथि में बदलाव किया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राष्ट्रपति कार्यालय से सहमति लेकर पोलियो रविवार की तिथि 31 जनवरी निर्धारित की है। पहले यह कार्यक्रम 17 जनवरी को तय था। सरकारी सूत्रों के अनुसार कोरोना वैक्सीन की 1.65 करोड़ खुराकें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनके स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या के आधार पर आवंटित कर दी गई हैं। आवंटन में किसी राज्य के साथ कोई भेदभाव नहीं किया गया है। यह अभी शुरुआती आवंटन है। वैक्सीन की आपूर्ति लगातार होती रहेगी। ऐसे में वैक्सीन की किल्लत होने की चर्चाएं आधारहीन हैं। राज्यों को सलाह दी गई है कि वे प्रतिदिन एक सत्र में 100 से ज्यादा लोगों को टीका लगाने के लिए न बुलाएं।

राज्यों से यह भी कहा गया है कि अभियान शुरू होने के बाद वे धीर-धीरे नए केंद्रों की संख्या बढ़ाते रहें। सरकारी सूत्रों के अनुसार पहले चरण में एक करोड़ स्वास्थ्य कर्मियों और दो करोड़ फ्रंटलाइन कर्मियों को वैक्सीन दी जाएगी। उनके बाद 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को टीका लगाया जाएगा। फिर 50 साल से कम उम्र और बीमारियों से ग्रस्त लोगों का नंबर आएगा। स्वास्थ्य कर्मियों और फ्रंट लाइन कर्मियों को टीका लगाने का खर्च केंद्र सरकार उठाएगी।

किसानों के साथ फिर बेनतीजा रही वार्ता, 19 जनवरी को अगली बैठक के लिए बनी सहमति

नई दिल्ली । आंदोलनकारी किसान संगठनों का अड़ियल रवैया नौवें दौर की वार्ता में भी जारी रहा, जिससे बातचीत फिर बेनतीजा रही। इसके बावजूद 19 जनवरी को अगली वार्ता के लिए दोनों पक्षों में सहमति बनी है। पांच घंटे तक चली लंबी बातचीत निर्णायक मोड़ तक नहीं पहुंच सकी। मुद्दों पर अनौपचारिक रूप से छोटे समूह बनाकर हल तलाशने के प्रस्ताव को भी किसान नेताओं ने खारिज कर दिया। वार्ता में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भी चर्चा हुई, जिस पर किसान नेताओं ने स्पष्ट किया कि वे कोर्ट कमेटी के समक्ष पेश नहीं होंगे।

हालांकि, कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर ने कहा कि शीर्ष अदालत द्वारा गठित कमेटी बुलाएगी तो हम जाएंगे। सरकार की ओर से केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर, रेल, वाणिज्य व खाद्य मंत्री पीयूष गोयल और वाणिज्य राज्यमंत्री सोम प्रकाश बैठक में शामिल हुए, जबकि आंदोलनकारी 40 किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने वार्ता में हिस्सा लिया। वार्ता के लिए आने से पहले और बातचीत के दौरान किसान संगठनों की ओर से वही पुराना राग अलापा गया। उन्होंने तीनों नए कृषि कानूनों को रद करने और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी की मांग को जारी रखा। सरकार की ओर से कहा गया कि इन कानूनों पर चर्चा के लिए अलग छोटा समूह बनाकर समस्या और शंका का समाधान ढूंढ़ा जा सकता है। सरकार का यह प्रस्ताव भी किसान नेताओं को नहीं भाया, जिसे उन्होंने खारिज कर दिया।

दो नए कृषि कानूनों के साथ तीसरा कानून संशोधित आवश्यक वस्तु अधिनियम का है, जिस पर केंद्रीय उपभोक्ता व खाद्य मंत्री गोयल ने विस्तार से अपनी बात रखी। गोयल ने किसान नेताओं से इसके संशोधनों के किसी भी एतराज वाले बिंदु के बारे में जानकारी मांगी। इस पर भी किसान नेता चुप्पी साध गए और कहा कि पुराना कानून ही ठीक था। लेकिन इसमें खराबी क्या है, यह उन्होंने नहीं बताया।

बैठक समाप्त होने के बाद तोमर ने बाहर आकर पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि वार्ता सौहा?र्द्रपूर्ण वातावरण में हुई। लेकिन चर्चा निर्णायक नहीं रही। 19 जनवरी को दोपहर 12 बजे एक बार फिर दोनों पक्ष बैठेंगे, जिसमें समाधान तक पहुंचने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार को आंदोलनकारी किसानों की चिंता है।

नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप कुमार ज्ञवाली ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से की मुलाकात

नई दिल्ली । नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप कुमार ज्ञवाली ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से आज दिल्ली में स्थित हैदराबाद हाउस में मुलाकात की। बता दें कि तीन दिवसीय यात्रा के लिए नेपाल के विदेश मंत्री भारत आए हुए हैं। बीते दिन दोनों देशों के विदेश मेंत्री ने नेपाल-भारत संयुक्त आयोग की बैठक में भी हिस्सा लिया था।

बताते चले कि पिछले दिनों नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए कहा था कि विदेश मंत्री ग्यावली भारत यात्रा के दौरान सीमा विवाद का मुद्दा उठाएंगे। यही नहीं उन्होंने कहा था कि कालापानी, लिंपियाधुरा और लिपुलेख नेपाल के हैं और हम उन्हें वापस लेकर रहेंगे। ऐसे में भारत-नेपाल के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। इससे पहले भी नेपाल के प्रधानमंत्री इस तरह का बयान दे चुके हैं। इधर, भारत ने साफ कर दिया है कि नेपाल के नए नक्शे से पैदा हुए सीमा विवाद को लेकर कोई बातचीत नहीं की जाएगी। वहीं विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने बीते दिन बताया था कि सीमा से जुड़े मुद्दों पर हमारी स्थिति स्पष्ट है। साथ ही उन्होंने बताया कि सीमा विवाद दो अलग-अलग बातें हैं। श्रीवास्तव के इस बयान से साफ है कि छ्रस्ष्ट की बैठक में सीमा विवाद पर कोई बात नहीं होगी। बता दें कि नेपाल द्वारा विवादित नक्शा छापने के बाद यह पहला मौका है जब नेपाल का कोई मंत्री आधिकारिक रुप से भारत यात्रा पर आया हुए हैं। दोनों देशों के बीच इस यात्रा के दौरान रिश्ते बेहतर होने की संभावना जताई जा रही है। गौरतलब है कि नेपाल ने पिछले साल नया नक्शा जारी करके कालापानी, लिंपियाधुरा और लिपुलेख के भारतीय भूभाग को अपना बताया था, जिसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। यही नहीं कोरोना काल में नेपाल ने भारत से लगी अपनी सीमा को भी बंद कर दिया था।

एक नज़र...

सोमनाथ भारती को आज मिलेगी जमानत

लखनऊ, (एजेंसी)। आप नेता और दिल्ली की मालवीय नगर सीट से विधायक सोमनाथ भारती को सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट से शुक्रवार को जमानत मिल गई है। इसके बावजूद उन्हें अभी जेल में ही रहना होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ और यूपी के अस्पतालों पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में भारती के खिलाफ रायबरेली और अमेठी में दो केस दर्ज हुए थे। इनमें से एक में उन्हें जमानत मिली है। उनके खिलाफ दर्ज दूसरे मामले की सुनवाई शनिवार को होगी। तब तक भारती को जेल में ही रहना होगा। उन्हें जमानत इस शर्त पर मिली है, कि वे गवाहों को नहीं धमकाएंगे।

केरल में कैंसर दवाओं के लिए बनेगा पार्क

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी)। केरल के वित्त मंत्री डॉ थॉमस इसाक ने कहा कि इस वर्ष कैंसर दवाओं के लिए विशेष पार्क के निर्माण की आधारशिला रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्क के निर्माण के लिए 150 करोड़ रुपये आवंटित किये जायेंगे और 250 रुपये से अधिक मूल्य की छह अलग-अलग दवाएं केएसडीपी की उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर व्यावसायिक आधार पर उपलब्ध कराई जाएंगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमाणन के साथ लगभग 15 नए फॉर्मूला दवाओं का निर्यात एशियाई-अफ्रीकी देशों में किया जाएगा। डॉ इसाक ने विधानसभा में वर्ष 2021-22 के लिए राज्य का बजट पेश करते हुए इस आशय की घोषणा की।

नेपाल ने भारत से मांगी कोरोना वैक्सीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप कुमार ग्यावली ने शुक्रवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। इसमें दोनों नेताओं ने सम्पर्क, इकॉनमी, कारोबार, ऊर्जा, तेल एवं गैस, सीमा मुद्दा, कोरोना वैक्सीन, पर्यटनों आदि पर विस्तार से वार्ता की। इस बैठक में नेपाल ने भारत से जल्द कोरोना की वैक्सीन देने का आग्रह किया। वहीं, सीमा विवाद के जल्द हल की मांग की। वहीं नेपाल सरकार ने कोरोनाटीकाकरण के लिए सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (सीआईआई) की कोविशील्ड वैक्सीन को आपातकालीन उपयोग के लिए मंजूरी दे दी है। मीडिया रिपोर्ट में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई।

कमल हासन की पार्टी का चुनाव चिह्न, 'टॉर्च'

चेन्नई, (एजेंसी)। मक्कल नीधि मय्यम पार्टी प्रमुख अभिनेता कमल हासन ने शुक्रवार को बताया कि आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग ने उनकी पार्टी को चुनाव चिह्न दे दिया है। हासन की पार्टी का चुनाव चिह्न 'टॉर्च' होगी। ट्विटर पर एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि हमें तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर चुनाव चिह्न टॉर्च मिला है। बता दें कि राज्य में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। हासन की पार्टी 2019 लोकसभा चुनाव भी 'टॉर्च' चिह्न पर लड़ी थी और उसे 3.77 प्रतिशत वोट मिले थे।

इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप में भूकंप से 42 मरे

जकार्ता (एजेंसी)। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप में शुक्रवार सुबह आये भूकंप के जोरदार झटकों से कम से कम 42 लोगों की मौत हो गयी और अन्य 650 घायल हो गए।रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई। पश्चिम सुलावेसी प्रांतीय आपदा प्रबंधन ने कहा कि भूकंप के तेज झटके से मजीने जिले में आठ और ममुजु में 34 लोगों सहित 42 लोगों की मौत हो गई। वेस्ट सुलावेसी में स्थानीय समयानुसार दो बजकर 28 मिनट पर रिक्टर पैमाने पर 6.2 तीव्रता के झटके महसूस किए गए। भूकंप को केन्द्र माजीन के उत्तर-पूर्व से छह किलोमीटर दूर और जमीन सतह से 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था।

जम्मू और श्रीनगर में शीतलहर से ठिठुरन

घने कोहरे से जनजीवन प्रभावित

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में कड़ाके की ठंड से ठिठुरन बढ़ गयी है और ठंड से अभी राहत मिलने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस नीचे रहा, जहां घना कोहरा और सड़कों में बर्फ जमने से शुक्रवार सुबह जनजीवन प्रभावित रहा।

श्रीनगर के विश्व प्रसिद्ध डल झील और अन्य जलाशयों में पानी जम गया, जहां प्रशासन ने शिकारावालों के लिए आपातकालीन राशन और दवाई वितरण अभियान शुरू किया जो डल और निगीन झीलों में पानी जमने के कारण कहीं आने जाने के लिए लाचार है। श्रीनगर में गुरुवार को 30 वर्षों में सबसे ठंडी रात रही जहां तापमान शून्य से 8.4 डिग्री नीचे रहा, हालांकि श्रीनगर अभी भी विश्व प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग की तुलना में ठंडा है।

समूचा उत्तर भारत ठिठुरा, राहत के आसार कम

चंडीगढ़, (एजेंसी)। नए साल से लेकर अब तक कहर ढहा रही भीषण ठंड से सभी प्राणी बुरी तरह प्रभावित हुये हैं तथा अगले दो दिन तक प्रचंड शीतलहर तथा कोल्ड डे से राहत के आसार नहीं हैं। मौसम केंद्र के अनुसार क्षेत्र में हालांकि मौसम खुश्क रहेगा, लेकिन अगले दो दिन प्रचंड शीतलहर और कोल्ड डे का प्रकोप बना रहेगा। इसके अलावा घने कोहरे के आसार हैं। पिछले कुछ दिनों से हाडकंपाती ठंड ने आम जनजीवन को प्रभावित किया है । घने कोहरे तथा शीतलहर के कारण पारा तीन डिग्री तक नीचे चला गया।

चुनाव अफसरों पर कार्रवाई से पूर्व लेनी होगी मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव सुनिश्चित करने वाले चुनाव अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने से पहले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उसकी मंजूरी की आवश्यकता होगी।

आयोग ने कैबिनेट सचिव, मुख्य सचिवों, कार्मिक विभाग के सचिव आदि को जारी आदेश में कहा कि चुनाव अधिकारियों को चुनावों के बाद उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। चुनाव आयोग को चुनाव के बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ), अतिरिक्त / संयुक्त / डिप्टी / सहायक सीईओ के उत्पीड़न के कुछ उदाहरण मिले हैं।

विमान के यात्री कंपार्टमेंट में माल ले जाने की गाइडलाइन जारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुक्रवार को ऐसी उड्डयन कंपनियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए जो विमान के यात्री कंपार्टमेंट में माल ले जाना चाहती हैं।

नियामक ने अपने दिशा-निर्देशों में कहा कि यात्री कंपार्टमेंट में माल ले जाने की इच्छा रखने वाले संचालक को प्रस्तावित संचालन से कम से कम 10 दिन पहले डीजीसीए के समक्ष आवेदन देना होगा। इनमें कहा गया है कि माल प्रति एक सीट स्थान पर 22.5 किलोग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए और अगर यह तीन सीटों पर रखने के लिए एक ही सामान है, तो इसका वजन 50 किलोग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए।

दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि माल की ऊंचाई सीट की ऊंचाई से अधिक नहीं होनी चाहिए।सीटों के नीचे रखे जाने वाले माल का वजन प्रति सीट नौ किलोग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए। इसने कहा कि इस प्रकार की किसी भी उड़ान में केवल 'बेहद जरूरी' लोगों को ही भेजा जाना चाहिए। डीजीसीए ने यह स्पष्ट किया कि यात्री कंपार्टमेंट में यात्रियों और माल को एक साथ ले जाने की अनुमति नहीं है।

कमल मोरारका का निधन

मुंबई, (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और जानेमाने कारोबारी कमल मोरारका का शुक्रवार शाम निधन हो गया। वह कुछ समय से बीमार थे। वह 74 वर्ष के थे।

राजस्थान में नवलगढ़ से विधायक राजकुमार शर्मा ने ट्वीट कर राज्यसभा के पूर्व सदस्य के निधन की खबर दी। मोरारका 1990-91 में चंद्रशेखर की सरकार में केंद्रीय मंत्री थे। वह जनता दल (सेकुलर) के टिकट पर राजस्थान से 1988 से 1994 तक राज्यसभा के सदस्य रहे। मोरारका एक जाने-माने उद्योगपति भी थे। वह मोरारका ऑर्गेनिक के प्रमुख थे।

पहल — अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए मदद को उठे हाथ

राष्ट्रपति कोविंद ने राम मंदिर निर्माण में दिए 5 लाख

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राम जन्मभूमि मंदिर न्यास को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की तरफ से मंदिर निर्माण के लिए पहला दान मिला। वीएचपी के आलोक कुमार ने बताया कि हम लोग इस अभियान की शुरूआत के लिए उनके पास गए।

उन्होंने इसके लिए 5,01,000 रुपए का दान दिया और इस मिशन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए एक लाख रुपए का चेक वीएचपी को सौंपा है। वहीं भोपाल से भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर 1,11,111 राम मंदिर निर्माण के लिए आवास पर वीएचपी को दान दिया। वहीं उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने महंत कमल नयन दास को दान राशि का एक लाख रुपए का चैक सौंपा। वीएचपी राम मंदिर निर्माण आंदोलन में सबसे आगे था।

ट्रस्ट ने मंदिर के निर्माण के लिए धन एकत्र करने का निर्णय लिया है। वीएचपी के एक अधिकारी ने कहा, राष्ट्रपति कोविंद के साथ बैठक वीएचपी के धन संग्रह अभियान का हिस्सा था। वहीं, अलोक कुमार ने इससे पूर्व बताया कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, चेक के माध्यम से 20,000 से ऊपर के फंड एकत्र किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री शिवराज ने भी दिया एक लाख रुपए का चेक

भोपाल, (प्रसं)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र निधि संग्रह अभियान के तहत शुक्रवार को यहां एक लाख की सहयोग राशि का चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री से उनके निवास पर निधि संग्रह अभियान का दायित्व निर्वहन कर रहे पदाधिकारियों ने भेंट की। श्री चौहान ने इस अवसर को सौभाग्यशाली बताया। मुख्यमंत्री से भेंट करने वाले पदाधिकारियों में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के निधि समर्पण अभियान के केंद्रीय सह अभियान प्रमुख विनायक राव देशपांडे के अलावा अशोक पांडे, राजेश तिवारी, खगेंद्र भार्गव, पीताम्बर राजदेव और अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

वैज्ञानिकों ने जारी की कोरोना के अमेरिकी वैरिएंट की चेतावनी

50 फीसद ज्यादा संक्रामक है यह स्ट्रेन, जानें दूसरे मुल्कों का हाल

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस की कोरोना वायरस टास्क फोर्स ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिका में कोरोना का अधिक संक्रमण वाला स्ट्रेन मौजूद हो सकता है। सीएनएन के मुताबिक टास्क फोर्स द्वारा तीन जनवरी को भेजी गई रिपोर्ट में कोरोना के अमेरिकी वैरिएंट के बारे में चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्दियों के दौरान जिस तेजी से संक्रमण के मामले समाने आए हैं वह वसंत और गर्मियों की तुलना में दोगुने से अधिक हैं।

अमेरिकी वैरिएंड पचास फीसद ज्यादा संक्रामक

संक्रमण में यह तेजी बताती है कि कोरोना का यूएसए वैरिएंट देश में मौजूद हो सकता है। विज्ञानियों ने इसके पचास फीसद अधिक संक्रामक होने की बात कही है। टास्क फोर्स ने कहा है कि फेस मास्क, शारीरिक दूरी और अधिक से अधिक टीकाकरण के जरिये हम इस पर काबू पा सकते हैं। उधर, अमेरिका की सबसे अधिक आबादी वाली लॉस एंजिलिस काउंटी में पिछले चौबीस घंटों के दौरान सर्वाधिक 318 लोगों की मौत हुई है।

नए वैरिएंट से दोबारा संक्रमित हुई ब्राजील की महिला

ब्राजील की एक महिला दुनिया की पहली ऐसी व्यक्ति बन गई है जो कोरोना वायरस के वैरिएंट ई484के से दोबारा

संक्रमित हुई है। मई 2020 में पहली बार उसकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी और बाद में अक्टूबर 2020 में दोबारा वह इस वैरिएंट से प्रभावित दिखी। दोनों ही बाद उसमें गंभीर लक्षण दिखाई नहीं दिए। सबसे पहले यह वैरिएंट दक्षिण अफ्रीका में दिखाई दिया था, लेकिन दोबारा संक्रमण का यह दुनियाभर में पहला मामला है।

ब्राजील में 80 लाख से ज्यादा मामलेः ब्राजील में कोरोना मरीजों की तादाद अस्सी लाख से ज्यादा हो गई है। पिछले चौबीस घंटों के दौरान वहां 52,035 कोरोना मरीज सामने आए हैं वहीं 962 लोगों की मौत हुई है। ब्राजील के उपराष्ट्रपति हैमिल्टन मउराओ को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। 27 दिसंबर को उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।

चीन में संक्रमण के 33 नए मामले

चीन में संक्रमण के 33 नए मामले सामने आए हैं। 17 लोग जहां स्थानीय संक्रमण से प्रभावित हैं वहीं 16 लोग विदेश से आए हैं। स्थानीय संक्रमण से जो लोग प्रभावित हैं, उनमें से 14 लोग हेबई प्रांत के हैं जबकि तीन संक्रमित व्यक्ति लियोनिंग के रहने वाले हैं।

स्थानीय संक्रमण के मामले सामने आने के बाद हेबई प्रांत की राजधानी शिजियाजुआंग में सार्वजनिक परिवहन सेवा को निलंबित कर दिया गया है। अब यहां रहने वाले सभी 1.1 करोड़ लोगों की कोरोना टेस्टिंग होगी। चूंकि यह शहर बीजिंग के बिल्कुल नजदीक है, इसलिए देश की राजधानी को अलर्ट मोड पर रखा गया है। उधर, चीन के अधिकारियों ने एलान किया है कि देश को लोगों को कोरोना टीका निश्शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

सऊदी किंग ने ली वैक्सीन

सऊदी किंग सलमान बिन अब्दुलअजीज को शनिवार को फाइजर द्वारा बनाए गए कोरोना टीके की पहली डोज दी गई। बहरीन के बाद सऊदी अरब खाड़ी क्षेत्र का दूसरा ऐसा देश था जिसने कोरोना वैक्सीन को मंजूरी दी थी। बता दें कि क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और उनके भाई प्रिंस खालिद बिन सलमान सहित कई अन्य सऊदी अधिकारी पहले ही वैक्सीन की पहली डोज ले चुके हैं।

एक नजर इन देशों पर

फ्रांसः कोरोना के बीस हजार नए मामले सामने आए हैं। 281 लोगों की मौत हुई है।

रूसः पिछले चौबीस घंटों के दौरान 23,652 कोरोना मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जबकि 454 लोगों की मौत हुई है।

ईरानः कोरोना संक्रमण के 5,924 नए मामले सामने आए हैं। ईरान में 19 फरवरी को पहला संक्रमित मरीज मिला था।

जापानः कोरोना संक्रमण के 7,109 नए मामले सामने आए हैं। शनिवार को यहां 44 लोगों की मौत हुई है।

स्पेनः कोरोना संक्रमित मरीजों की तादाद 20 लाख से ज्यादा हो गई है। पांच से सात जनवरी के बीच देश में 245 लोगों की मौत हुई है और 42,160 लोग संक्रमित हुए हैं।

दक्षिण कोरियः 641 नए मरीजों को पता चला है। लगातार दो दिन ऐसे रहे हैं जब संक्रमित मरीजों की तादाद 700 से कम रही है।

भारतीय मूल के पूर्व ब्रिटिश मंत्री को दी गई जलवायु शिखर सम्मेलन की पूरी जिम्मेदारी

लंदन। भारतीय मूल के ब्रिटिश मंत्रियों में से एक आलोक शर्मा को ग्लासगो में होने वाले संयुक्त राष्ट्र के जलवायु शिखर सम्मेलन की पूरी जिम्मेदारी दी गई है। अपनी नई भूमिका पर

ध्यान देने के लिए उन्होंने शुक्रवार को पीएम बोरिस जॉनसन की कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया।

जलवायु शिखर सम्मेलन में भारत समेत 200 देशों के प्रतिनिधि लेंगे हिस्सा

आगरा में पैदा हुए आलोक शर्मा अभी तक दोहरी भूमिका निभा रहे थे, लेकिन अब वह पूरी तरह शिखर सम्मेलन को सफल बनाने पर अपना ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। इस सम्मेलन में भारत सहित 200 देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

आलोक शर्मा ने कहा- आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण तैयार करना है

आलोक शर्मा ने कहा, हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है और हमें वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण तैयार करने के लिए मिलकर काम करना होगा।

आलोक ने कहा- मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री ने जलवायु परिवर्तन जैसे जरूरी काम के लिए मुझे चुना

ब्रिटेन की अध्यक्षता वाले नवंबर में होने वाले इस शिखर सम्मेलन के माध्यम से हमारे पास दुनियाभर के दोस्तों और भागीदारों के साथ मिलकर काम करने का एक अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री ने जलवायु परिवर्तन जैसे जरूरी काम के लिए मुझे चुना है।

बाइडन ने कहा- संसद के हमलावर घरेलू आतंकी, ट्रंप अमेरिकी इतिहास के सबसे अयोग्य राष्ट्रपति

वाशिंगटन। अमेरिका के भावी राष्ट्रपति जो बाइडन ने संसद के हमलावरों को घरेलू आतंकी करार दिया है। उन्होंने कहा कि संसद पर हमला करने में लिप्त लोगों पर मुकदमा चलना चाहिए। उन अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए, जो इस हमले को

रोकने में विफल रहे। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि फिर इस तरह की घटना कभी न हो सके।

बाइडन ने कहा- ट्रंप अमेरिकी इतिहास के सबसे अयोग्य राष्ट्रपति

बाइडन ने ट्रंप को घेरते हुए कहा कि वह अमेरिकी इतिहास के सबसे अयोग्य राष्ट्रपति हैं। हालांकि उन्होंने ट्रंप पर महाभियोग चलाने के सवाल पर कोई जवाब नहीं दिया। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा, यह ठगों का झुंड है। वे घरेलू आतंकी हैं। इन पर मुकदमा चलना चाहिए।

बाइडन 20 जनवरी को लेंगे अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ

वैज्ञानिकों ने कहा है कि अमेरिका में कोरोना का अधिक संक्रमण वाला स्ट्रेन मौजूद हो सकता है। उन्होंने संसद परिसर में प्रदर्शनकारियों के साथ सेल्फी लेने वाले कैपिटल पुलिस अधिकारियों की जांच कराने की मांग की है। बाइडन 20 जनवरी को अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे। उनके साथ उप राष्ट्रपति चुनी गई भारतीय मूल की कमला हैरिस भी शपथ लेंगी।

बाइडन ने कहा- पर्यावरण के मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन के आदेशों की करेंगे समीक्षा

अमेरिका के नव- निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि वह पद संभालने के तत्काल ट्रंप प्रशासन की नीतियों को पटलते हुए एक आव्रजन संबंधी विधेयक लेकर आएंगे। बाइडन ने कहा कि वह पर्यावरण के मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन के आदेशों की भी समीक्षा करेंगे। बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा एच 1बी वीजा सहित दूसरे वर्क वीजा पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगाए जाने से भारतीय आइटी प्रोफेशनल्स को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

एक नए अध्ययन का दावा, लंबे समय तक रह सकता है कोरोना वायरस का असर

न्यूयॉर्क। कोरोना वायरस की चपेट में आने वाले लोगों पर संक्रमण का लंबे समय तक असर रह सकता है। एक नए अध्ययन का दावा है कि अस्पताल में भर्ती रहे एक तिहाई से ज्यादा कोरोना पीड़ितों में बीमारी से जुड़ा कोई एक लक्षण छह माह तक रह सकता है।

लैंसेट पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, चीन के वुहान शहर में कोरोना की चपेट में आए 1,733 रोगियों में इस खतरनाक वायरस के दीर्घकालीन प्रभाव को लेकर गौर किया गया। ये लोग गत वर्ष जनवरी और मई में संक्रमित पाए गए थे। जनवरी में बीमार पड़े लोगों पर जून तक और मई में रोगी पाए गए पीड़ितों पर सितंबर तक नजर रखी गई।

फेफड़ों की कार्यक्षमता का किया गया विश्लेषण

चीन के जिन यिन-टेन अस्पताल के शोधकर्ताओं ने कोरोना को मात देने वाले इन पीड़ितों से आमने-सामने बैठकर एक प्रश्नावली के आधार पर बातचीत की और उनमें कोरोना संबंधी लक्षणों पर गौर किया। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद इन मरीजों की शारीरिक जांच करने के साथ ही लैब

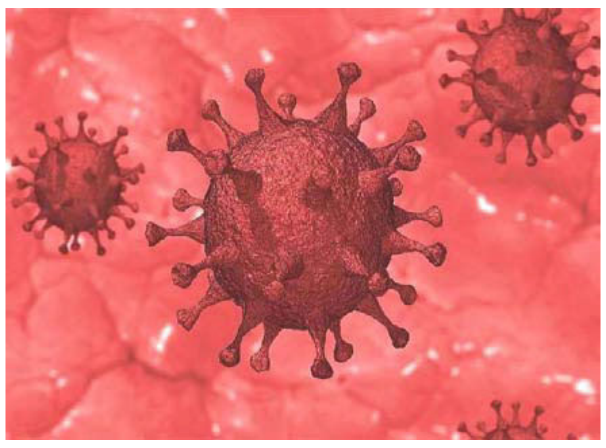

टेस्ट भी किए गए। इनमें फेफड़ों की कार्यक्षमता का विश्लेषण किया गया।

26 फीसद ने नींद संबंधी कठिनाई की कही बात

शोधकर्ताओं के मुताबिक, पीड़ितों में मांसपेशी की समस्या आमतौर पर पाई गई। 63 फीसद रोगियों ने मांसपेशी में कमजोरी की शिकायत की। 26 फीसद ने नींद संबंधी कठिनाई की बात कही। जबकि 23 फीसद पीड़ितों में एंग्जाइटी या डिप्रेशन (अवसाद) की समस्या पाई गई। शोधकर्ताओं ने बताया कि कोरोना से उबरने वाले पीड़ितों पर काफी कम अध्ययन हुए हैं। इसलिए स्वास्थ्य पर कोरोना के दीर्घकालीन प्रभाव के बारे में कम जानकारी है। इस अध्ययन से जुड़े शोधकर्ता बिन काओ ने कहा, 'हमारे विश्लेषण से जाहिर होता है कि अस्पताल से निकलने के बाद ज्यादातर रोगियों को लंबे समय तक किसी एक लक्षण का सामना करना पड़ता है।'

बाइडन के सत्ता ग्रहण करने के पूर्व उ. कोरिया की बड़ी चुनौती

रिसोल। उत्तर कोरियाई नेता किग जोंग उन ने कहा कि अमेरिका हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है। उन्होंने कहा कि हमें एडवांस परमाणु शस्त्रों के विकास के लिए प्रयास तेज करना चाहिए। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका में निजाम बदल चुका है। राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप चुनाव हार चुके हैं और अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन 20 जनवरी को शपथ लेने वाले हैं। खास बात यह है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में किम जोंग उन के साथ उनकी दो शिखर वार्ता हुई थी। इस शिखर वार्ता का मकसद उत्तर कोरिया से संबंधों को सामान्य बनाना और उसके परमाणु कार्यक्रमों पर विराम लगाना था। ट्रंप के कार्यकाल में उत्तर कोरिया से संबंधों को सामान्य बनाना सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।

नए हथियारों के परीक्षण और उत्पादन की तैयारी कर रहा उत्तर कोरिया

किम ने कहा कि उत्तर कोरिया हथियारों का दुरुपयोग नहीं करेगा, लेकिन देश अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया विभिन्न नए हथियारों के परीक्षण और उत्पादन की तैयारी कर रहा है। इसमें अलग-अलग आकारों का वॉरडेड शामिल है। किम ने हाइपरसोनिक हथियारों, ठोस ईंधन अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलें, जासूसी उपग्रहों और ड्रोन सहित विकासशील उपकरणों के विकास का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया विभिन्न नए हथियारों के परीक्षण और उत्पादन की तैयारी कर रहा है। किम ने बताया कि एक परमाणु पनडुब्बी पर शोध लगभग पूरा हो गया है।

अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप ने कई प्रयास किए। इसके तहत दोनों नेताओं के बीच कई

शिखर वार्ता का आयोजन किया गया। जून, 2018 में सिंगापुर में हुई ट्रंप और किम के बीच पहली शिखर वार्ता हुई थी। यह शिखर वार्ता काफी हद तक कामयाब रही थी। इस क्रम में फरवरी, 2019 में वियतनाम की राजधानी हनोई में दूसरी शिखर वार्ता हुई थी। हालांकि, इसमें दोनों देशों के बीच कोई समझौता नहीं हो सका था। उस वक्त व्हाइट हाउस में ट्रंप ने जोर देकर कहा था कि उत्तर कोरिया के साथ गतिरोध का शांतिपूर्ण समधान मुमकिन है। उन्होंने कहा था कि अपनी निजी कूटनीति को लेकर उन्हें काफी उम्मीदें हैं। उस वक्त उन्होंने कहा था कि किम को बेहतर तरीके से जान गए है। हम उनका सम्मान करते हैं। ट्रंप ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि समय के साथ-साथ बहुत अच्छी चीजें होंगी।

किस्तान की पोल खुली: बालाकोट एयरस्ट्राइक में 300 आतंकी मारे गए थे, पाकिस्तान के पूर्व राजनयिक ने टीवी पर लाईव डिबेट में कबूला

इसलामाबाद । पाकिस्तान ने आखिर मान लिया कि 26 फरवरी 2019 को बालाकोट एयरस्ट्राइक में 300 आतंकी मारे गए थे। पाकिस्तान के पूर्व राजनयिक आगा हिलाली ने एक लाईव टीवी डिबेट में यह बात कबूल कर ली।

आगा हिलाली टीवी चैनलों पर होने वाली बहस में पाकिस्तानी सेना का पक्ष रखते हैं। उनकी ओर से यह कबूल करना पाकिस्तान की बड़ी नाकामी मानी जा रही है। ऐसा इसलिए भी, क्योंकि पाकिस्तान अब तक एयरस्ट्राइक में किसी की भी मौत होने से साफ इनकार कर रहा था।

'इंटरनेशनल बॉर्डर पार कर भारत ने युद्ध जैसा काम किया'

आगा हिलाली पाकिस्तानी उर्दू चैनल पर डिबेट के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने कहा, 'भारत ने इंटरनेशनल बॉर्डर पार कर युद्ध जैसा काम किया। बालाकोट एयरस्ट्राइक में कम से कम 300 लोग मारे गए। हमारा लक्ष्य उनसे अलग था। हमने उनके बड़े अधिकारियों को निशाना बनाया। हमारा कदम पूरी तरह से लीगल था, क्योंकि वे सेना के आदमी थे। हमने उस समय कहा था कि इस कार्रवाई में कोई हताहत नहीं हुआ।

अब हमने उनसे कहा है कि वे जो भी करेंगे हम सिर्फ उसका जवाब देंगे। 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में सीआरपीएफ जवानों के काफिले पर आतंकी हमला हुआ था। इसमें 40 जवान शहीद हुए थे। इसी का जवाब देते हुए इंडियन एयरफोर्स ने 26 फरवरी को पाकिस्तान के कब्जे बाले कश्मीर के बालाकोट में एयरस्ट्राइक की थी। इसमें जैश के ठिकानों पर बम बरसाए गए, जिसमें करीब 300 आतंकी मारे गए थे। हिलाली से पहले पाकिस्तान मुस्लिम लीग के नेता अयाज सादिक भी इस मामले में संसद में बयान दे चुके हैं। सादिक ने अक्टूबर 2020 में देश की नेशनल असेंबली में बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान की घटना के बाद विदेश मंत्री शाह महमूद के बयान का जिक्र किया था। उन्होंने बताया, 'विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने एक अहम बैठक में कहा था कि अगर पाकिस्तान ने भारत के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को रिहा नहीं किया तो भारत रात 9 बजे पाकिस्तान पर हमला कर देगा। कुरैशी जब संसदीय दल के नेताओं की बैठक में यह जानकारी दे रहे थे तो पाकिस्तान सेना के प्रमुख कमर जावेद बाजवा के पैर कांप रहे थे।'

भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता निकी हेली ने कहा, ट्रंप के आचरण की इतिहास में होगी कठोर व्याख्या

वाशिंगटन। भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता निकी हेली ने संसद पर हुए हमले को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की निंदा की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति की टिप्पणियों से समर्थक हमले के लिए भड़के थे। ट्रंप ने सही शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। चुनाव बाद के उनके आचरण की इतिहास में कठोरता के साथ व्याख्या होगी। हेली ने रिपब्लिकन नेशनल कमेटी की शुक्रवार को फ्लोरिडा में हुई बैठक में कहा, 'हम अपने बड़े मतभेदों के बारे में चर्चा कर सकते हैं, लेकिन हमें अमेरिकी जनता को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करना बंद करना चाहिए। रिपब्लिकन पार्टी को

आगे का दास्ता दिखाना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत रह चुकीं 48 वर्षीय हेली ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने हर बार सही शब्दों का चयन नहीं किया। चुनाव के दिन से उनके आचरण की इतिहास निर्मम व्याख्या करेगा।' भारतीय मूल की हेली को ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत नियुक्त किया था। वह इस पद पर 25 जनवरी, 2017 से 31 दिसंबर, 2018 तक रहीं। वह 12 जनवरी, 2011 से लेकर 24 जनवरी, 2017 तक साउथ कैरोलिना की गवर्नर भी रह चुकी हैं।

ट्रंप का ट्विटर अकाउंट बंद होने के बाद चर्चा में ये भारतीय महिला

न्यूयार्क। डोनाल्ड ट्रंप का ट्विटर अकाउंट बीती 8 जनवरी को संस्पेंड कर दिया गया। उनके ऊपर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के सहारे दंगाइयों को उकसाने का आरोप लगा था। ट्रंप का ट्विटर अकाउंट संस्पेंड होने के बाद से एक भारतवंशी महिला चर्चा में आ गयीं। दरअसल, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ट्विटर अकाउंट स्थायी रूप से निलंबित करने के अभूतपूर्व फैसले के पीछे माइक्रोब्लॉगिंग साइट की शीर्ष अधिवक्ता विजया गड्डे की भूमिका प्रमुख थी।

यह फैसला अमेरिकी संसद भवन में निवर्तमान राष्ट्रपति के समर्थकों के हमले की घटना के बाद लिया गया था। इस फैसले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई भारतीय मूल की विजया गड्डे

ने। विजया 45 साल की गड्डे माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर की कानूनी नीति की हेड हैं।

साथ ही वे ट्विटर की पब्लिक पॉलिसी, ट्रस्ट एंड सेफ्टी पॉलिसी को भी हेड करती हैं।

बीते विजया गड्डे ने ट्वीट किया कि डोनाल्ड ट्रंप के अकाउंट को और हिंसा के जोखिम को देखते हुए ट्विटर से स्थायी रूप से निलंबित किया जाता है। बता दें कि जब डोनाल्ड ट्रंप का अकाउंट निलंबित किया गया उस वक्त उनके 8.87 करोड़ फॉलोवर थे। वहीं ट्रंप खुद 51 लोगों को फॉलो करते थे।

कौन हैं विजया गड्डे?

विजया गड्डे भारतीय मूल की महिला हैं। उनका जन्म हैदराबाद में हुआ था। जन्म के बाद वे अपने माता-पिता के साथ अमेरिका चली गईं। यहीं उनकी पढ़ाई भी पूरी हुई। गड्डे ने न्यूयॉर्क यूनीवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ से ज्यूरिस डॉक्टर की डिग्री और कॉर्नेल यूनीवर्सिटी से इंडस्ट्रियल एंड लेबर रिलेशन में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की।

विजया गड्डे की ट्विटर प्रोफाइल देखने पर पता चलता है कि ट्विटर में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालने से पहले वह ज्यूनिपर नेटवर्क्स में काम करती थीं। ज्यूनिपर नेटवर्क्स अमेरिका की एक मल्टीनेशनल कंपनी है।

गड्डे यहां पर लीगल डिपार्टमेंट की सीनियर डॉयरेक्टर थीं। वह न्यूयार्क यूनिवर्सिटी लॉ स्कूल के ट्रस्टी बोर्ड में भी रह चुकी हैं।

उनका बचपन टेक्सास और न्यूजर्सी में बीता है।

आज से लगेगी कोरोना वैक्सीन

हफ्ते में 4 दिन लगेगा कोरोना का टीका

(आनंद राय)

नई दिल्ली । कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान 16 जनवरी शनिवार से पूरे देश में शुरू हो रहा है। पीएम मोदी खुद इस अभियान की शुरुआत करेंगे। दिल्ली में भी कोरोना टीकाकरण को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली में सोमवार, मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को कोरोना का टीका लगाया जाएगा। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा 'पूरे देश में वैक्सीन लगने जा रही है, दिल्ली में भी वैक्सीन लगाने की पूरी तैयारी कर ली गई है। 16 जनवरी को 81 जगहों पर वैक्सीन लगाई जाएगी। हर जगह पर 100 लोगों को वैक्सीन लगाई जाएगी, हफ्ते में 4 दिन वैक्सीन लगाई जाएगी। दिल्ली में सोमवार, मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को कोरोना वैक्सीन लगाई जाएगी।'

81 केंद्रों पर लगाया जाएगा कोरोना का टीका

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने आगे कहा कि दिल्ली में शुरुआती दौर में 81 सेंटर पर वैक्सीनेशन की जाएगी, जिसे बढ़ा कर 175 सेंटर और कुछ दिनों बाद 1000 सेंटर किया जाएगा। केंद्र सरकार से हमें 2 लाख 74 हजार वैक्सीन मिली है जो 1 लाख 20 हजार हेल्थ वर्कर को लगाई जाएगी।

केंद्र सरकार से 2 लाख 74 हजार वैक्सीन मिली

डीटीसी ने 1000 एसी सीएनजी बसें खरीदने का दिया ऑर्डर

प्रफुल्ल राय(शिवालिक)

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने डीटीसी के बेड़े में 1000 लो फ्लोर एसी बसें खरीदने का आदेश शुक्रवार को दे दिया। डीटीसी के बेड़े में 12 साल के बाद नई बसें जुड़ने जा रही हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सभी बसें 20 सितंबर तक सड़क पर आ जाएंगी।

डीटीसी के बेडे में अब कुल बसों की संख्या अभी तक के उच्चतम स्तर 7693 पर पहुंच जाएगी। दिल्ली सरकार विश्व स्तर की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली बनाकर दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि दिल्ली की परिवहन व्यवस्था को दुनिया की सबसे बेहतरीन परिवहन व्यवस्था बनाने के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए हम दिन रात काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्लीवासियों को बधाई देते हुए ट्विट किया कि 12 साल के इंतजार के बाद डीटीसी द्वारा 1000 लो फ्लोर एसी सीएनजी बसों को शामिल करने के आदेश दिए गए हैं। ये सभी बसें 20 सितंबर तक सड़क पर आ जाएंगी। दिल्ली सरकार विश्व स्तर की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली बनाकर प्रदूषण मुक्त दिल्ली के लिए प्रतिबद्ध है। इन 1000 बसों के साथ डीटीसी का बेड़ा 4760 तक बढ़ जाएगा। दिल्ली में डीटीसी और क्लस्टर में कुल बसों की संख्या अभी तक के उच्चतम स्तर 7693 पर पहुंच जाएगी। पिछले वर्षों में खरीद से जुड़ी कई बाधाओं के बावजूद हमारी सरकार फैसले पर कायम रही और खरीद का आदेश दिया गया। दिल्ली परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि दिल्ली की परिवहन व्यवस्था को दुनिया की सबसे बेहतरीन परिवहन व्यवस्था बनाने के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए हम दिन रात काम कर रहे हैं। इसी के तहत अथक प्रयासों से तमाम बाधाओं को पार कर 1 हजार एसी बसें आ रही हैं। इसके साथ ही डीटीसी को बंद करने की अफवाहों पर विराम लग गया है। हम शुरू से ही डीटीसी को मजबूत करने के काम में जुटे हुए हैं। डीटीसी दिल्ली के परिवहन व्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है। इससे पहले 2011 में बसें डीटीसी के बेड़े में शामिल हुईं थी। पिछली बार 2008 में डीटीसी बस खरीदने के आदेश दिए गए थे। वर्तमान में 3760 बसें सड़क पर चल रही हैं। 1 हजार नहीं बसें शामिल होने के बाद डीटीसी का बेड़ा 4760 पर पहुंच जाएगा। अभी 6693 कुल बसें हैं इनमें से 3760 डीटीसी और 2933 क्लस्टर बसें हैं। डीटीसी के बेड़े में शामिल होने वाली 1 हजार बसों में से 700 बसें जेबीएम कंपनी से खरीदी जाएंगी। जबकि 300 बसें खरीदने का आदेश टाटा कंपनी को दिया गया है। दोनों कंपनियों को बसें खरीदने का आदेश बिड के आधार पर दिया गया है। 15 जनवरी को आदेश देने के बाद 16 सप्ताह के भीतर 80 बसें डीटीसी के बेडे में शामिल हो जाएंगी, जबकि 24 सप्ताह के भीतर 660 बसें डीटीसी में शामिल होंगी।

सभी बसें 20 सितम्बर तक आ जाएंगी सड़कों पर

12 साल बाद जुड़ने जा रही हैं नई बसें

4760 तक पहुंच जाएगा डीटीसी बसों का बेड़ा

संक्षिप्त समाचार

'जलापूर्ति से जुड़ी फाइलों पर तत्काल कार्रवाई के लिए बनाया जाए ग्रीन कॉरिडोर'

नई दिल्ली। दिल्ली के जल मंत्री सत्येंद्र जैन ने शुक्रवार को गर्मी के मौसम से पहले दिल्ली में पानी की आपूर्ति में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए जल संवर्धन परियोजना की समीक्षा की। यह बैठक दिल्ली जल बोर्ड की विभिन्न परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा करने के लिए बुलाई गई थी। बैठक में हैदरपुर और चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में ट्यूबवेल की स्थापना, फ्लो मीटर लगाना, ओखला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना और इनोवेशन सेल बिल्डिंग की स्थापना आदि को लेकर समीक्षा की गई। बैठक में सत्येंद्र जैन ने निर्देश दिए कि इस साल गर्मी का मौसम आने से पहले सभी परियोजनाओं को पूरा कर लिया जाए। बैठक में अधिकारियों ने जल मंत्री सत्येन्द्र जैन को बताया कि हैदरपुर डब्ल्यूटीपी में जल शोधन क्षमता को 16 एमजीडी और चंद्रावल डब्ल्यूटीपी में 12 एमजीडी बढ़ाया जा रहा है। इसके अलावा, पूर्वी दिल्ली में रन्नी कुओं पर अमोनिया हटाने वाले संयंत्र लगाए जा रहे हैं, जिससे जल आपूर्ति में 4 एमजीडी की बढ़ोत्तरी होगी। बवाना डब्ल्यूटीपी में भी 2 एमजीडी का अतिरिक्त जल शोधन करने की क्षमता है।

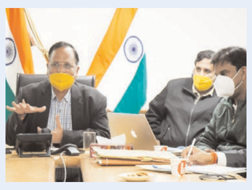

आदेश गुप्ता ने वैक्सीन के लिए प्रधानमंत्री मोदी और वैज्ञानिकों का आभार जताया

नई दिल्ली। प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने 16 जनवरी से शुरू होने वाले कोरोना टीकाकरण अभियान के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने बताया कि दिल्ली को पहले चरण में मोदी सरकार द्वारा मुफ़्त कोविशील्ड वैक्सीन की 2 लाख 74 हजार ख़ुराक दी गई है। दिल्ली में कोरोना वैक्सीन सबसे पहले फ्रंटलाइन कोरोना वारियर डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, स्वास्थ्य कर्मियों, सरकारी शिक्षकों को दी जाएगी। इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रमुख नवीन कुमार और प्रदेश प्रवक्ता ऋचा पांडेय मिश्रा उपस्थित रहीं। प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने वैक्सीन के अभियान में लगे सभी लोग, चाहे वो वैक्सीन पहुचांने वाले ट्रांसपोर्टेर, वैक्सीन लगाने वाले डॉक्टर, स्वास्थकर्मी, ग्रीन कॉरिडर बनाने वाले पुलिस, डिफ़ेन्स के जवान, कोरोना वॉरियर और वैक्सीन बनाने वाले वैज्ञानिकों को धन्यवाद दिया।

केंद्र 18 जनवरी से मनाएगा सड़क सुरक्षा माह

नई दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के वास्ते लोगों में जागृति लाने के लिए 18 जनवरी से सड़क सुरक्षा महीने का आयोजन करेगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी सोमवार को सड़क सुरक्षा माह की शुरुआत करेंगे और उसके बाद एक माह तक देश भर में लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सड़क सुरक्षा माह के दौरान स्कूलों, कॉलेजों तथा शिक्षण संस्थानों में छात्रों को सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे जिसमे युवाओं को सड़क पर सुरक्षित चलने के तरीकों की जानकारी देकर जागृत किया जाएगा।

दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी को मिली नया भवन

डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. मंगू सिंह ने किया उद्घाटन

विश्व स्तरीय प्रशिक्षण सुविधा से लैस है नया भवन

(संजय कुमार)

नई दिल्ली । शास्त्री पार्क स्थित दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण सुविधा से लैस नया भवन मिला है।

शुक्रवार को डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. मंगू सिंह ने इस नई चार मंजिला सिम्युलेटर इमारत का उद्घाटन किया । साथ ही उन्होंने शास्त्री पार्क मेट्रो डिपो के सामने एक नए फुट ओवर ब्रिज का भी उद्घाटन किया। दिल्ली मेट्रो के अनुसार न्यू सिम्युलेटर भवन अत्याधुनिक ड्राइविंग सुविधाओं से सुसज्जित है। यहां कंप्यूटर के अलावा ड्राइविंग, रोलिंग स्टॉक रखरखाव, इलेक्ट्रिकल, सिग्नलिंग आदि से संबंधित प्रशिक्षण प्रयोगशाला और अन्य कार्यालय हैं।

नए भवन में बुनियादी ढांचे के इनोवेशन में एक अत्याधुनिक टेलीप्रेसेंस रूम, एक सिविल इंजीनियरिंग डेमो रूम, मॉडल स्टेशन नियंत्रण कक्ष, आधुनिक पुस्तकालय, मनोरंजन केंद्र, नया योग व ध्यान कक्ष, नई कैंटीन, ऑडिटोरियम सहित अन्य सुविधाएं हैं। इस मौके पर डॉ. मंगू सिंह ने कहा कि इस नई सुविधा के साथ दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम एमआरटीएस के क्षेत्र में प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाएगी।

राजधानी में दम तोड़ने लगा कोरोना

(प्रवीण कुमार सिंह)

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में कोरोना की रफ्तार लगातार धीमी होती जा रही है। कोरोना संक्रमण दर पहली बार 0.44 फीसदी पर आ गई है। वहीं, रिकवरी दर पहली बार 97.85 फीसदी के उच्चतम स्तर पर है। शुक्रवार शाम को दिल्ली सरकार की तरफ से जारी कोरोना हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, बीते 24 घंटे के दौरान कोरोना के 295 नए मामले सामने आए।

इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 6,31,884 हो गई है। अब तक के कुल आंकड़े के अनुसार संक्रमण दर देखें, इसमें भी काफी कमी दिख रही है। कुल संक्रमण दर अब लगातार 7 फीसदी से नीचे है और यह अभी 6.49 फीसदी है। मौत के मामलों की बात करें, तो बीते 24 घंटे में कोरोना से 10 मरीजों की मौत हुई है। आज की बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में कोरोना से मौत का कुल आंकड़ा 10,732 हो गया है। कोरोना से हो रही मौत की दर अभी 1.7 फीसदी है। बीते 10 दिनों में हुई मौत के आंकड़ों के अनुसार मौत की दर देखें, तो इसमें भी कमी दिख रही है और अब यह 2.94 फीसदी पर आ गई है। वहीं कोरोना को मात देने वालों की बात करें तो बीते 24 घंटे के दौरान 427 लोगों ने इसे मात दी है। इसके बाद, दिल्ली में कोरोना को मात देने वालों का कुल आंकड़ा अब 6,18,357 हो गया है। कोरोना के सक्रिय मरीजों की बात करें, तो दिल्ली में इनकी संख्या लगातार नीचे आ रही है। अभी अस्पतालों और होम आइसोलेशन को मिलाकर दिल्ली में 2795 सक्रिय मरीज हैं।

संक्रमण दर पहुंची आधे फीसदी से भी नीचे

ब्राह्मण समाज ने वृद्धजनों का किया सम्मान

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

ब्राह्मण समाज चित्रकूट की ओर से मकर संक्रांति खिचड़ी पर्व कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। प्राचीन शिव शक्ति मंदिर, एमसीडी प्राइमरी स्कूल, ईस्ट ऑफ लोनी रोड डीडीए फलैट्स पर आयोजित कार्यक्रम में भगवान श्री परशुराम जी की आरती, सम्मानित वृद्धों का सम्मान और खिचड़ी, रेवड़ी व मूंगफली प्रसाद वितरण प्रमुख रूप से शामिल रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता चित्रकूट ब्राह्मण समाज के चेयरमैन पं. विजय शर्मा ने की और मंच संचालन पं. बृजेश शर्मा ने किया। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं. गिरीश गिरीश कब्बड़वाल, संस्थापक सदस्य पं. वाई के शर्मा व पं. राकेश शर्मा, महासचिव पं. अमित वसिष्ठ, कोषाध्यक्ष पं. एनके शर्मा, संगठन सचिव पंडित बोधराज भट्ट, आरडब्लूए डीडीए फ्लैट्स चित्रकूट ईस्ट ऑफ लोनी रोड के अध्यक्ष पं. देवेंद्र शर्मा के अलावा पं. देवेंद्र भारद्वाज व अन्य गणमान्य लोग भी प्रमुख रूप से मौजूद थे।

कंगाल हो चुकी हैं दिल्ली की तीनों निगम : आतिशी

(रविशंकर तिवारी)

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता और कालकाजी से विधायक आतिशी ने दिल्ली के तीनों नगर निगमों पर यह आरोप लगाया कि उनके द्वारा व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण आज दिल्ली के तीनों नगर निगम कंगाल हो चुके है। स्थिति इतनी बदतर हो चुकी है कि उनके पास अपने कर्मचारियों को देने के लिए भी फंड नहीं है। आतिशी ने कहा कि गुरुवार को दिल्ली सरकार ने दिल्ली के नगर निगम को 938 करोड़ रुपये का फंड रिलीज किया है। मार्च 2020 के बाद से दिल्ली सरकार के लिए स्थिति मुश्किल बनी हुई है क्योंकि लॉकडाउन के कारण बहुत सारी बंदिशे थी। ऐसी मुश्किल आर्थिक परिस्थिति में भी दिल्ली सरकार ने कॉस्ट कटिंग करके 938 करोड़ का फंड एमसीडी को दिया है।

दिल्ली सरकार ने निगमों के लिए 938 करोड़ का फंड रिलीज किया

दिल्ली सरकार द्वारा जारी किया गया पैसा नहीं मिला : महापौर

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महापौर जय प्रकाश एवं पूर्वी दिल्ली नगर निगम के महापौर निर्मल जैन ने शुक्रवार को संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा कि दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया एवं पीडब्लूडी मंत्री सतेंद्र जैन द्वारा गुरुवार को 938 करोड़ जारी करने का दावा किया था, लेकिन किसी भी नगर निगम को कोई पैसा नहीं मिला है। सरकार की ओर से यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि किस निगम को कितना हिस्सा मिलेगा। दूसरे उन्होंने कहा कि चूंकि यह राशि केवल वेतन अदायगी के लिए है, तो अनुदान की तीसरी किश्त कब दी जाएगी, जिससे कर्मचारियों का और वेतन देने में सहायता मिलेगी। इस मौके पर उत्तरी दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति के अध्यक्ष छैल बिहारी गोस्वामी और सदन के नेता योगेश वर्मा मौजूद रहे।

मीड-डे मील योजना के तहत किया राशन किट का वितरण

(कुलदीप त्यागी)

नई दिल्ली । दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने मयूर विहार फेज 1 के प्रतिभा विद्यालय में पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मीड-डे मील योजना के तहत राशन किट का वितरण किया। इस अवसर पर पूर्वी दिल्ली नगर निगम महापौर निर्मल जैन, मीडिया प्रमुख नवीन कुमार, उप महापौर हरि प्रकाश बहादुर, नेता सदन प्रवेश शर्मा, शिक्षा समिति चेयरमैन रमेश गुप्ता, शिक्षा समिति निदेशक सीमा शर्मा, पार्षद विपिन बिहारी, भावना मलिक, कुसुम तोमर, शशि चांदना उपस्थित थीं। प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि नगर निगम जनकल्याणकारी नीतियों से प्रेरणा लेते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने का काम कर रहे हैं। जिस समय देश कोरोना महामारी से जूझ रहा था तब प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत ग़रीबों, श्रमिकों को मुफ्त में राशन मुहैया कराने का कार्य किया गया, वहीं दिल्ली के अंदर 80 लाख से ज्यादा लोग इस योजना से लाभान्वित हुए।

घोषणा कोरोना योद्धाओं के लिए ऊर्जा सत्र कार्यक्रम का किया आयोजन

दक्षिणी निगम ने कोरोना योद्धाओं का बढ़ाया मनोबल

(एजेंसी)

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम अपने कोरोना योद्धाओं के लिए ऊर्जा सत्र कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात कवि डॉ विश्वास कुमार ने अपने वक्तव्य व उत्साह भरी कविताओं से निगम कोरोना योद्धाओं में नई ऊर्जा का संचार किया साथ ही डॉ कुमार विश्वास द्वारा रामकथा की मर्मस्पर्शी प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस प्रस्तुति में उन्होनें भगवान श्री राम के मर्यादित जीवन और उनसे जुड़ी घटनाओं का वर्णन एक नए मोहक अंदाज में पेश किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता और महापौर अनामिका द्वारा दक्षिणी निगम की उपलब्धियों पर बनी पुस्तिका का भी विमोचन किया गया।

कवि कुमार विश्वास के वक्तव्य और रामकथा की मर्मस्पर्शी प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया

इस अवसर पर भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता, सांसद मनोज तिवारी, महापौर अनामिका, स्थायी समिति अध्यक्ष राजदत्त गहलोत, नेता सदन नरेंद्र चावला, आयुक्त ज्ञानेश भारती और निगम के उच्च अधिकारी व पार्षदगण भी उपस्थित थे। समारोह में महापौर अनामिका ने बताया कि दक्षिणी निगम द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन हमारे सभी कोरोना योद्धाओं का मनोबल बढ़ाने के लिए किया गया है। इस कोरोना काल में निगम के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और जन प्रतिनिधियों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए कोरोना नियंत्रण में सराहनीय भूमिका निभाई। निगम के कोरोना योद्धाओं ने अपनी सेवाओं को इन चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों में बड़ी निष्ठा और समर्पण से निभाया। आज इस मंच से दक्षिणी निगम की उन सभी 16 कोरोना योद्धाओं जिन्होंनें देश की सेवा में अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया, ऐसे सभी योद्धाओं का दक्षिणी निगम सम्मान करता है और उन्हें अपनी भाव-भीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि कोरोना काल में निगमों को दोहरी मार पड़ी, एक तो लॉकडाउन के कारण राजस्व में कमी आई और दूसरे दिल्ली सरकार द्वारा फंड भी उपलब्ध नहीं कराया।

ऐसी गंभीर परिस्थितियों में नगर निगमों ने जन सुविधाओं और अन्य सेवाओं को जारी रखा। निगम ने विशेष रूप से स्वास्थ्य और स्वच्छता सेवाओं में अतुलनीय कार्य किए जो अब भी जारी है। दक्षिणी निगम ने सभी मृतक कोरोना योद्धाओं के परिवारों को आर्थिक सहायता और उनके आश्रितों को नौकरी प्रदान की जोकि प्रशंसनीय है। हम सदैव अपने कोरोना योद्धाओं के साथ है और उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

13 वर्षीय बच्चे से सामूहिक दुष्कर्म, 2 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 15 जनवरी **(एजेंसी)।** दिल्ली के गीता कॉलोनी इलाके से एक बेहद ही दर्दनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां 13 साल के एक बच्चे का जबरन लिंग परिवर्तन करवाया गया और लंबे समय तक उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। दिल्ली महिला आयोग ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। दरअसल मासूम बच्चे की मुलाकात एक अभियुक्त से लगभग तीन साल पहले लक्ष्मीनगर में एक डांस इवेंट में हुई। आरोपी ने दोस्ती की और उसे अपने साथ डांस सीखाने के बहाने मंडावली ले गया। वहीं आरोपी और उसके कुछ साथियों ने कुछ समय बाद पीड़ित बच्चे को रहने के लिए कहा। बच्चे को कुछ दिन बाद नशीला पदार्थ दिया जाने लगा और जबरन लिंग परिवर्तन करवा दिया गया। हालांकि कुछ समय बाद आरोपियों ने पीड़ित के एक परिचित को भी लाकर उसी के साथ रख लिया। एक दिन मौका देख कर दोनों बच्चे वहां से भाग निकले।

संपादकीय

कहीं लोगों का भरोसा डिग न जाए

देश में कोरोना टीके को लेकर चल रही राजनीति प्रत्याशित थी। इसकी शुरुआत 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव से ही हो गई थी, जब भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र में मतदाताओं को मुफ्त में कोरोना टीका देने की बात कही। इस वादे का उसे कितना चुनावी लाभ मिला, यह ठीक-ठीक बता पाना मुश्किल है, लेकिन सत्ता में उसकी वापसी कोरोना वैक्सीन पर संभावित सियासी टकराव का संकेत दे रही थी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा इसे भारतीय जनता पार्टी की वैक्सीन बताना, इसी की कड़ी है। हालांकि, बाद में उन्होंने सफाई भी दी, लेकिन तब तक विरोधी पार्टियां उन पर हमलावर हो चुकी थीं। साफ है, मतदाताओं को प्रलोभन देने के लिए वैक्सीन की राजनीति करना जितना गलत था, उसे खास पार्टी का टीका बताना उतना ही निंदनीय। मगर इसमें तीसरा पक्ष भी है। कुछ विपक्षी नेता स्वदेशी वैक्सीन की मंजूरी पर सवाल उठा रहे हैं। उनकी चिंता है कि तीसरे फेज का ट्रायल पूरा हुए बिना टीके का इस्तेमाल जोखिम भरा हो सकता है। इसे हम राजनीति नहीं कह सकते। चिकित्सक व महामारी विज्ञानी भी इस बाबत चिंता जता रहे हैं। लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और इसके लिए विपक्ष का आवाज बुलंद करना वाजिब है। सरकार की नीतियां अगर सही से काम नहीं कर रही हों, तो उस पर सवाल उठेंगे ही। संविधान ने तमाम दलों को ये अधिकार दे रखे हैं। पर विपक्ष का अति-उत्साहित होकर अपना यह दायित्व निभाना जन-विरोधी भी हो सकता है। उसे फूंक-फूंककर अपना कदम उठाना चाहिए, क्योंकि यदि लोगों के मन में एक बार शंका घर कर गई, तो फिर टीकाकरण अभियान पर इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है, और इसका नुकसान अंततः आम जनता को ही होगा। विरोधियों को बेशक प्रश्न पूछने चाहिए, लेकिन किसी तरह के अविश्वास को खाद-पानी देने से उन्हें बचना चाहिए। यह बहुत बारीक रेखा है, जिसके लिए विपक्ष को सतर्क रहना होगा। इसका यह मतलब नहीं है कि सरकार की कोई जवाबदेही नहीं है। लोगों का भरोसा बनाए रखने के लिए उसे कहीं ज्यादा गंभीरता दिखानी होगी। सावधानी और सुरक्षा लाजिमी है, लेकिन सबसे जरूरी पारदर्शिता है। इसलिए सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि सुरक्षित ट्रायल के बिना टीके के इस्तेमाल की अनुमति क्यों दी गई है? ऐसी कौन सी मजबूरी है कि उसे यह जोखिम भरा कदम उठाना पड़ा? कहा जा रहा है कि कोरोना वायरस के लगातार म्यूटेट (रूप बदलने) करने और नए स्ट्रेन के बढ़ते संक्रमण की वजह से सरकार ने आनन-फानन में टीकों को मंजूर किया। क्या यही एकमात्र वजह है? हालांकि, अभी अपने यहां नए स्ट्रेन से संक्रमित मरीजों की संख्या 50 के आस-पास है, और इनके आइसोलेशन व ट्रेसिंग से संक्रमण थामा जा सकता है। या, सरकार यह साबित करना चाहती है कि 'आत्मनिर्भर भारत' परवान चढ़ चुका है और स्वदेशी वैक्सीन से टीकाकरण की शुरुआत करने में देश सक्षम है? ऐसे सवालों के ठोस जवाब सामने आने चाहिए। सरकार द्वारा अपनी मंशा और मकसद को जाहिर करना किस कदर तंत्र में लोगों का भरोसा बढ़ाता है, न्यूयॉर्क इसका एक बड़ा उदाहरण है। अमेरिका के सर्वाधिक आबादी वाले इस शहर के गवर्नर एंड्रयू क्योमो की आज इसलिए तारीफ हो रही है, क्योंकि उन्होंने कोरोना काल में हर अच्छी-बुरी खबरें लोगों से साझा कीं। उनका मंत्र यही था कि जनता को सब कुछ पता होना चाहिए; बिना उसकी मदद से कोरोना के खिलाफ जंग नहीं जीती जा सकती। यह एक बेहतरीन रवैया था। इस तरह के संवेदनशील मामलों में पारदर्शिता बहुत जरूरी होती है। जनता अगर यह समझती है कि सरकार उससे कुछ नहीं छिपा रही, तो तंत्र में उसकी भागीदारी स्वाभाविक तौर पर बढ़ जाती है। कोरोना संक्रमण-काल की नाजुकता से हर कोई वाकिफ है। यह सभी जानते हैं कि सरकार एक बड़ी चुनौती से मुकाबिल है। भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देश में सबको टीका लगाना इतना आसान भी नहीं। हालांकि, अपने यहां टीकाकरण का बुनियादी ढांचा मौजूद है, जो एक राहत की बात है। हमने बड़े-बड़े टीकाकरण अभियान सफलतापूर्वक चलाए हैं। वैक्सीन के उत्पादन का हमारा अनुभव और क्षमता भी हमें कई देशों से बेहतर बनाता है। ऐसी स्थिति में सत्ता पक्ष और विपक्ष का आपस में उलझना हमें कई मोर्चों पर पीछे धकेल सकता है। हर लोकतांत्रिक देश में विभिन्न मुद्दों पर राजनीतिक दल आपस में गुत्थम-गुत्था होते रहते हैं। अमेरिका में तो जबर्दस्त खींचतान है। यूरोप में भी कुछ कम थी, लेकिन जब ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन खुद कोरोना-संक्रमित हुए, तब सरकार का रवैया बदल गया। अब वहां फिर से लॉकडाउन लगाया गया है और जनता भी सरकार का हरसंभव साथ दे रही है। लोग सरकार की मंशा भांप लेते हैं, इसलिए हर मुद्दों पर वे पारदर्शिता की अपेक्षा रखते हैं। अगर विपक्ष द्वारा कुछ वाजिब सवाल पूछे जा रहे हैं, तो सरकार को उतनी ही गंभीरता से जवाब देना चाहिए। इस संक्रमण-काल में सरकार के लिए कई नए मोर्चे खुले हैं और कई मोर्चों पर उसकी जंग लगातार जारी है। ऐसे में, चूक होने की आशंका भी स्वाभाविक है। और अगर कोई उस गलती की तरफ उसका ध्यान खींचता है, तो उसे उस पर गौर करना चाहिए। उसका यह व्यवहार कोरोना के खिलाफ जंग को मजबूत बनाएगा। प्रधानमंत्री चाहें, तो एक सर्वदलीय बैठक बुलाकर अपने इस रुख का परिचय दे सकते हैं। वह बंद कमरे में सभी राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं से कोरोना संक्रमण के विस्तार, मंजूर किए गए दोनों टीकों के असर, टीकाकरण अभियान की चुनौती, सरकार की रणनीति जैसी तमाम बातें साझा कर सकते हैं। यकीनन इसका व्यापक असर होगा। मगर सवाल यह है कि कुछ मामलों में संवादहीनता को बतौर रणनीति इस्तेमाल करने वाली सरकार इस दिशा में आगे बढ़ेगी? इसका जवाब तो सत्ता पक्ष ही दे सकता है।

प्रवीण कुमार सिंह

कोरोना महामारी के चलते पहुंची क्षति की भरपाई के लिए करने होंगे व्यापक बदलाव

> वर्ष 2021 चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। इस चुनौती भरे समय में हर भारतीय के अंदर से यह आवाज आनी चाहिए कि महामारी के कारण देश का जो नुकसान हुआ, उसकी जल्द से जल्द भरपाई हो सके। यह तभी संभव है जब सरकार और नागरिक मिलकर व्यापक बदलाव की दिशा में आगे बढ़ेंगे और विपक्षी दल रचनात्मक राजनीति का परिचय देंगे। जब तक हम सकारात्मक सोच के साथ व्यापक बदलाव की दिशा में नहीं बढ़ेंगे, तब तक इस महामारी से पहुंची क्षति की भरपाई मुश्किल है।

कोरोना वायरस से उपजी महामारी कोविड-19 ने वर्ष 2020 पर इतना व्यापक असर डाला कि उसकी मिसाल मिलना मुश्किल है। चीन के वुहान शहर से निकले इस वायरस ने समूची मानवता को झकझोर कर रख दिया। इस महामारी के दुष्परिणाम पूरे विश्व को भोगने पड़े हैं। महाशक्ति अमेरिका समेत कुछ विकसित देश इसलिए कहीं अधिक प्रभावित हुए, क्योंकि उन्होंने प्रारंभ में कोविड-19 को लेकर पर्याप्त गंभीरता और सतर्कता नहीं दिखाई। भारत भी इस महामारी से अछूता नहीं रहा, लेकिन अगर आबादी के लिहाज से देखा जाए तो वह उसके असर से एक हद तक बचा रहा। इसका श्रेय केंद्र और राज्य सरकारों को तो जाता ही है, लेकिन सबसे अधिक प्रशंसा करनी होगी डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की, जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद इस महामारी के प्रकोप को बढ़ने नहीं दिया। विश्व के कई देशों में कोविड-19 से लड़ने वाली वैक्सीन लगना शुरु हो गई है। उम्मीद है अगले कुछ दिनों में भारत में भी इसकी शुरुआत हो जाएगी। इसके बाद भी हाल-फिलहाल महामारी से पीछा नहीं छूटने वाला। एक तो भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देश में सभी को वैक्सीन लगाना जटिल कार्य है और दूसरे, इसमें समय भी लगेगा। ऐसे में यह मानकर चला जाना चाहिए कि कम से कम अगले छह महीने तक सतर्क रहना ही होगा।

कोरोना महामारी ने सब पर असर डाला और सबने अपनी-अपनी तरह से उसका सामना किया है, लेकिन यदि किसी ने सबसे अधिक बदलाव को आत्मसात किया तो वे हैं विद्यार्थी। उन्होंने तमाम समस्याओं के बाद भी ऑनलाइन माध्यम से अपनी पढ़ाई जारी रखी। निस्संदेह घर पर कंप्यूटर या मोबाइल स्क्रीन के जरिये पढ़ाई आसान नहीं, पर विद्यार्थियों ने इस चुनौती से पार पाया। एक

सच्चाई यह भी है कि ग्रामीण इलाकों के गरीब छात्र इंटरनेट और स्मार्ट फोन के अभाव में अपनी पढ़ाई नहीं कर सके। उनकी पढ़ाई को काफी नुकसान हुआ। भले ही जैसे-तैसे पढ़ाई करने वाले छात्र अगली कक्षा में पहुंच गए हों, लेकिन स्कूल-कॉलेज जाकर कक्षा में या कक्षा से बाहर वे जो अनुभव हासिल करते हैं, उससे वे वंचित रहे। यह एक बड़ा नुकसान है, क्योंकि यह अनुभव छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक बनता है। वैसे तो सरकार ने महामारी के दौरान ही नई शिक्षा नीति की घोषणा की, पर अभी उसके अमल का इंतजार है। इंतजार इसका भी है कि विद्यार्थी क्लासरूम में जाकर पढ़ाई करने में कब सक्षम होते हैं? सरकारों को पठन-पाठन के पुराने माहौल को बहाल करने में प्राथमिकता का परिचय देना चाहिए, क्योंकि छात्र-छात्राएं ही भविष्य के कर्णधार हैं। कोरोना के चलते पूरे विश्व के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी गहरी चोट पड़ी। मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था को संकट से उबारने के लिए कई अर्थिक पैकेज तो दिए, लेकिन वे नाकाफी ही साबित हुए। इसी कारण अर्थव्यवस्था अभी भी संकटग्रस्त दिखती है। चूंकि राजकोषीय घाटा सारी सीमाओं को लांघ गया है इसलिए अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कुछ कड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं।

समस्या यह है कि देश का जैसा राजनीतिक माहौल है और खासकर विपक्षी दलों ने जिस तरह नकारात्मक रवैया अपना लिया है और वे बदलाव की हर प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में बाधक बन रहे हैं, उससे सरकार के लिए कड़े फैसले लेना कठिन हो रहा है। संसद से पारित तीन कृषि कानूनों के खिलाफ पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ किसान संगठनों ने जिस तरह अड़ियल रवैया अपना लिया है, उससे यही पता चलता है कि भारत में बदलाव की कोशिश कितनी मुश्किल से कामयाब होती है। यह देखना दयनीय है कि चंद किसान संगठनों की जिद पर सरकार को फसलों के अवशेष जलाने की छूट और रियायती बिजली की मांग पर नरम रवैया अपनाना पड़ा। मौजूदा माहौल को देखकर यही लगता है कि कल को किसी अन्य क्षेत्र में बदलाव की कोशिश पर इसी तरह धरने-प्रदर्शन कर सरकार पर बेजा दबाव डालने की कोशिश होगी। मोदी सरकार कड़े और बड़े फैसले लेने के लिए जानी जाती है। नागरिकता संशोधन कानून लाने और अनुच्छेद 370 हटाने के बड़े फैसले यही साबित करते हैं कि यह सरकार राष्ट्रीय हितों पर आगे बढ़ने में संकोच नहीं करती। यह इस सरकार के कड़े फैसले लेने और उन्हें लागू करने की सामर्थ्य का ही परिणाम है कि विभिन्न क्षेत्रों में बदलाव दिखने लगा है, लेकिन वह पर्याप्त नहीं, क्योंकि देश के आधारभूत ढांचे में कोई उल्लेखनीय बदलाव नहीं दिख रहा। वास्तव में इसीलिए लोगों में बेचैनी और असंतोष है।

निस्संदेह लोग यह चाहते हैं कि भारत एक विकसित राष्ट्र बने और हर किसी के जीवन स्तर में व्यापक सुधार आए, लेकिन वे आसानी से बदलावों को अपनाने के लिए तैयार नहीं होते। अपेक्षित बदलाव न हो पाने के पीछे एक बड़ा कारण सही नीतियों का अभाव और उनके क्रियान्वयन में खामी भी है। आज अगर देश के तमाम ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सुधार और बदलाव का अपेक्षित असर नहीं दिखता तो उसके मूल में अनियोजित विकास ही है।

हमारे नीति नियंताओं ने आधारभूत ढांचे के विकास के लिए न तो कोई ठोस मानक बनाए और न ही दूरदर्शिता का परिचय दिया। इसी कारण आधारभूत ढांचा चरमराता दिख रहा है। इसके चलते समय और धन, दोनों की बर्बादी हो रही है। क्या 2021 में हम यह उम्मीद करें कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के आधारभूत ढांचे को बेहतर बनाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे? ध्यान रहे कि ये कदम तभी सार्थक होंगे जब वे पुराने तौर-तरीकों से अलग होंगे और जनता उन्हें अपना समर्थन प्रदान करेगी। यदि हमें विकसित राष्ट्र बनना है तो गलत नीतियों और परिपाटी का परित्याग करने के साथ सबसे अधिक ध्यान आधारभूत ढांचे को ठीक करने पर दिया जाएगा।

वर्ष 2021 चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। इस चुनौती भरे समय में हर भारतीय के अंदर से यह आवाज आनी चाहिए कि महामारी के कारण देश का जो नुकसान हुआ, उसकी जल्द से जल्द भरपाई हो सके। यह तभी संभव है जब सरकार और नागरिक मिलकर व्यापक बदलाव की दिशा में आगे बढ़ेंगे और विपक्षी दल रचनात्मक राजनीति का परिचय देंगे।

जब तक हम सकारात्मक सोच के साथ व्यापक बदलाव की दिशा में नहीं बढ़ेंगे, तब तक इस महामारी से पहुंची क्षति की भरपाई मुश्किल है। अच्छा होगा कि आज हम सब स्वामी विवेकानंद के इन शब्दों को आत्मसात कर उनसे प्रेरित हों- उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।

अवसरों में छिपी होती है आर्थिक विकास की शुरुआत, भारत का अवसर हो सकता है यह दशक

विकसित अर्थव्यवस्थाओं के इतिहास में एक सबक छिपा है। आर्थिक विकास की शुरुआत अवसरों में छिपी होती है। हर दशक में कई अवसर सामने आते हैं और यह जरूरी नहीं कि केवल सबसे संपन्न एवं तेज लोग ही लाभ उठाते हैं तथा परिवर्तन लाते हैं। अगर हम डिजिटल अर्थव्यवस्था में व्यापक रूप से ज्ञान और कौशल पर विश्वास जताते हैं तो यह दशक भारत का अवसर हो सकता है। एक समावेशी अर्थव्यवस्था और न्यायपूर्ण समाज बनाने के लिए प्रधानमंत्री के लक्ष्य की सराहना की जा सकती है, लेकिन यह बहुत ही कठिन कार्य है। उन्हें न केवल नीतिगत सुधारों को अपनाने के लिए अपने जनादेश का उपयोग करना होगा, बल्कि समान रूप से एक कार्यान्वयन संरचना बनाने पर भी ध्यान देना होगा।

नीति निर्माताओं को पुनर्विचार करना जरूरी है, पर उससे भी जरूरी है उचित कदम उठाना। तभी यह सदी भारत की हो सकती है। इसके बाद एक और चुनौती है। इस विकसित दुनिया में जहां कौशल कहीं से भी काम कर सकता है, वहीं श्रम तेजी से एक वस्तु बन रहा है। भारत में उपलब्ध नौकरियां फिलहाल प्रभावित नहीं हो सकती हैं। लेकिन उच्च-कौशल, चिकित्सा व तकनीकी पेशेवरों, शिक्षण व नर्सिंग सहायक जैसी कम वेतन वाली नौकरियों के लिए यह अच्छी खबर है। स्वचालन से कई परिवर्तन होते हैं। मुख्य रूप से मैनुअल कौशल वाले लोगों को आगे बढ़ने में मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। इसी प्रकार मध्य वर्ग न तो मांग की भूमिकाओं में उचित स्थान पा सकता है और न ही विनिर्माण तथा लेखांकन में स्वतः खत्म हो रही भूमिकाओं की वजह से वेतन में वृद्धि की उम्मीद कर सकता है। हालांकि भारत जैसे देशों और अन्य विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में ये कौशल अभी भी योग्य हो सकते हैं और कार्यबल कौशल की एक विशालतम श्रेणी बना सकते हैं।

इस बीच कई सामाजिक और आर्थिक प्रभाव सामने आएंगे। लाखों श्रमिकों को व्यवसाय बदलना होगा। कई लोग नौकरी बदलेंगे। एक कनेक्टेड दुनिया में, भौगोलिक दूरी कोई मायने नहीं रखेगी और कई नौकरियां एक दूसरे में समा जाएंगी, यह गतिविधि इस आधार पर प्रतिकूल या अनुकूल हो सकता है कि हम कितने तैयार हैं। नौकरियों का भविष्य अभी की तरह नहीं होगा। यद्यपि कौशल और ज्ञान मायने रखता है, लेकिन जो अधिक मायने रखता है वह है सामाजिक और भावनात्मक कौशल। संगठनों द्वारा विनम्र, सरल और अन्य नरम कौशल जैसे लोगों के कौशल को पसंद करने की संभावना है।

इसी तरह, ज्ञानात्मक कौशल, विशेष रूप से गहन सोच, रचनात्मकता और जटिल सूचना प्रसंस्करण एक स्वचालित व डिजिटल दुनिया में और भी अधिक मायने रखेगा। श्रमिकों को नए कौशल प्राप्त करने और अधिक अनुकूलनीय बनाने की जरूरत होगी, क्योंकि वे विकसित मशीनों के साथ सक्षमता से काम करेंगे। रचनात्मकता और शिक्षा पर नए सिरे से ध्यान देने की आवश्यकता है। कृषि, स्वास्थ्य और परिवहन सहित कई क्षेत्रों में तकनीक से सामाजिक लाभ होगा तथा यह जीडीपी के लिए भी वरदान होगा और यदि समग्र रूप से लागू किया जाए तो यह तीव्र विकास में अहम साबित होगा।

और अब बर्ड फ्लू

देश के अलग-अलग हिस्सों से अचानक पक्षियों की मौत की खबरों ने जो आशंका पैदा की थी, दस राज्यों में बर्ड फ्लू की पुष्टि हो जाने से वह सच साबित हुई है। हालांकि बर्ड फ्लू कोई नई चीज नहीं है। इसका पहला मामला ढाई दशक पहले 1996 में चीन में सामने आया था। इसके बाद से दुनिया भर में यह कहीं न कहीं उभरता रहा है। अपने देश में इसका पहला मामला 2006 में महाराष्ट्र में देखने को मिला। लेकिन उसके बाद से विभिन्न राज्यों में इसका प्रकोप सुर्खियों में आता रहा है। इस बार अगर इसने कुछ ज्यादा घबराहट फैलाई है तो उसके पीछे कोरोना वायरस का पहले से जारी कहर ही है। कोरोना के चलते स्वास्थ्य सेवाओं पर जिस तरह का बोझ है, अर्थव्यवस्था की जो दुर्गति हो चुकी है और आम देशवासियों का मन-मिजाज जितना तंग आ चुका है, उसमें एक और वायरस हमले की कल्पना किसी को भी सिहरा देने के लिए काफी है। मगर सचाई यह है कि कम से कम मौजूदा स्वरूप में बर्ड फ्लू इंसानों के लिए कोरोना जितना खतरनाक नहीं है। यह मूलतः पक्षियों का ही वायरस है। पक्षियों से यह जब-तब मनुष्यों में भी आता है, लेकिन इसके संक्रमण का शिकार वही लोग हुए हैं जो पक्षियों के कारोबार से, खासकर उनके मांस की तैयारी और उसकी बिक्री से जुड़े हैं। मनुष्य से मनुष्य में इसके संक्रमण के मामले अब तक नहीं दिखे हैं।

दूसरी बात यह कि बर्ड फ्लू का वायरस 70 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा की गर्मी मिलते ही खत्म हो जाता है। इसलिए चिकन या अंडों के इस्तेमाल के बावजूद भारतीय उपभोक्ता इसके शिकार नहीं होते क्योंकि यहां भोजन को अच्छी तरह पकाकर खाने का चलन है। इसी वजह से पोल्ट्री कारोबार से जुड़े लोग कहते हैं कि यह वायरस उतना खतरनाक नहीं है, लेकिन इसका डर उनकी कमर तोड़ देता है। जब भी इसके प्रकोप की खबर फैलती है, बड़ी संख्या में मुर्गियों को मार दिया जाता है। यही नहीं, चिकन और अंडों की मांग कम हो जाने और कीमतें गिर जाने का नुकसान भी पोल्ट्री इंडस्ट्री को झेलना पड़ता है। फिर भी इसके खतरे को कम कर के आंकना ठीक नहीं है।

सबसे बड़ी वजह तो यही है कि वायरस का नया स्ट्रेन कैसा होगा, इस बारे में पहले से कुछ नहीं जाना जा सकता। अगर यह पक्षियों से किसी अन्य जानवर में होते हुए मनुष्यों तक पहुंचा तो कैसी मारक शक्ति और संक्रामक क्षमता से लैस होगा, यह नहीं पता। दूसरी बात यह कि अपने मौजूदा स्वरूप में भी मनुष्यों को संक्रमित करने के बाद यह बेहद खतरनाक साबित होता है। इससे संक्रमित होने वाले मनुष्यों में मृत्यु दर करीब 60 फीसदी देखी गई है। ध्यान रहे, कोरोना वायरस में मृत्यु दर अधिकतम तीन-चार फीसदी ही पाई गई है। बेकाबू होने पर बर्डफ्लू का वायरस कैसा कहर ढाएगा, सोचा जा सकता है। ऐसे में अधिकतम सतर्कता बरत कर जल्द से जल्द इस पर काबू पा लेने में ही भलाई है।

अर्थव्यवस्था के सकारात्मक होने के आधार और संकेत स्पष्ट, वैक्सीन से बेहतर होगी आगे की राह

> साहित्यिक संकल्प लेना सबसे आसान है। अमूमन ये अपना 'टार्गेट' पूरा कर लेते हैं। इसके लिए बस मनुष्य को कल्पनाशील होना पड़ता है। वह अचानक एक दिन साहित्यकार बन बैठता है। एक ओर वह दिए हुए सम्मान को वापस लौटाने का संकल्प लेता है तो दूसरी ओर अकादमी के नए अध्यक्ष को शुभकामनाएं भेजने लगता है। एक अनुभवी और संकल्पशील साहित्यकार के लिए अब कुछ भी असंभव नहीं रहा। श्रेष्ठ कवि या प्रख्यात कहानीकार न बन पाने पर वह 'अद्भुत व्यंग्यकार' बनने का संकल्प ले लेता है।

कोरोना की मार से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं कराह रही हैं। इन सबके बीच हमारे लिए अच्छी बात यह रही कि भारतीय रिजर्व बैंक इस दौरान बेहद मुस्तैद रहा है और आम लोगों के साथ उद्योग-धंधों को कई तरह से राहत देकर इस आर्थिक चुनौती से निपटने की कोशिश की है। उसका सुखद और सकारात्मक उपसंहार यह है कि देश की अर्थव्यवस्था कोरोना वायरस से पहले के दौर में लौटने लगी है।हालांकि, खुदरा महंगाई की ऊंची दर और कमजोर रुपया उसके लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। रिजर्व बैंक को वर्ष 2021 में भी इस चुनौती से निपटना होगा। भारत के शेयर बाजार में विदेशी मुद्रा का प्रवाह बढ़ रहा है और भारतीय रिजर्व बैंक उसे अपने पास समायोजित कर रहा है। एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि यदि आर्थिकगतिविधियों की गतिशीलता और बहाली यही बनी रहती है, तो अर्थव्यवस्था की विकास दर करीब दो फीसद बढ़ सकती है। यह बहुत बड़ा परिवर्तन होगा। कोरोना टीके के शीघ्र आने से भी औसत घर की मांग सशक्त होगी। बहरहाल अर्थशास्त्री यह भी आकलन कर रहे हैं कि इन सकारात्मक संकेतों के बावजूद मुद्रास्फीति एक बड़ी समस्या बनी रहेगी, जो अभी छह फीसद से अधिक बनी हुई है। बेशक कुछ चुनौतियां बरकरार रहेंगी, लेकिन अर्थव्यवस्था की यह करवट भी कम महत्वपूर्ण नहीं है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 2021 में वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों की एक सूची जारी की है, जिनसे दुनिया को इसी वर्ष निपटना होगा। इसका

कारण कोरोना को माना जा रहा है, जिसके चलते कई देशों की स्वास्थ्य प्रणाली चरमरा गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि महामारी ने पिछले लगभग दो दशकों में हासिल की गई स्वास्थ्य क्षेत्र की प्रगति को पीछे खींच लिया है। वर्ष 2021 में दुनिया को अपनी स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, अगर वैक्सीन को प्रभावी रूप से लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं। कोविड महामारी ने हमें मौका दिया है कि हम एक बार फिर बेहतर, हरियाली से भरी और स्वस्थ दुनिया का निर्माण करें। स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने के लिए देशों को अधिकतम एकजुटता प्रदर्शित करने की जरूरत है। इस संगठन ने स्पष्ट कहा है कि देशों, संस्थानों, समुदायों और व्यक्तियों को अपनी आपसी दरारें बंद करनी होंगी। अब ब्रिटेन का नया स्ट्रेन सामने आने से दुनिया भर में सरकारों की चिंता बढ़ गई है। इस बीच हमारे लिए अच्छी खबर यह है कि देश में आपातकालीन स्थितियों में कोरोना वैक्सीन की मंजूरी दे दी गई है।

सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती

असंगठित क्षेत्र के 40 करोड़ से अधिक कामगारों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना अगले वर्ष के लिए ईपीएफओ यानी कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की बड़ी चुनौती साबित होगी। अपनी कई मौजूदा योजनाओं को बदलते वक्त के हिसाब से नया कलेवर देना और नई नियुक्तियों को अधिक से अधिक प्रोत्साहन मुहैया कराने जैसी चुनौतियां भी नए वर्ष में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के समक्ष होंगी। जानकारों के मुताबिक सरकार आत्मनिर्भर भारत योजना को जिस ऊंचाई पर ले जाना चाहती है, उसे देखते हुए नए वर्ष में नौकरियों की संख्या में व्यापक बढ़ोतरी होने वाली है। वर्तमान में ईपीएफओ संगठित क्षेत्र के छह करोड़ से अधिक कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ मुहैया कराता है। अगले वित्त वर्ष से सामाजिक सुरक्षा संहिता भी लागू होने की उम्मीद है। उसके बाद असंगठित क्षेत्र के कामगार भी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आएंगे।

नए साल की पहली तिमाही में हरिद्वार कुंभ का आयोजन किया जाएगा। कुंभ मेला भारत की धर्म, आस्था और संस्कृति का सबसे बड़ा और महान प्रतीक है। कुंभ में बड़ी संख्या में विदेशी भी शामिल होते हैं। ऐसे में कोई भी रियायत कोरोना संक्रमण की दर को बढ़ा सकती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि कोरोना पूरी दुनिया के लिए चुनौती बनकर खड़ा है। इस अदृश्य वायरस ने दुनिया के महाशक्तिशाली देशों को भी घुटने पर ला दिया है, लेकिन जरूरत इससे डरने की नहीं। हौसले और हिम्मत के साथ इसका सामना करने की है, चाहे देश की राजधानी दिल्ली हो या मुंबई की झुग्गी बस्ती धारावी, मुसीबत की घड़ी में इनमें से किसी ने हौसला नहीं छोड़ा। इसका नतीजा सामने है। आर्थिक, राजनीतिक और स्वास्थ्य क्षेत्र के अलावा कृषि, शिक्षा, रोजगार, पर्यावरण और महंगाई आदि अनेक मोर्चों पर चुनौतियां बरकरार हैं। अंतरिक्ष विज्ञान, रक्षा क्षेत्र, खेल और तमाम अन्य मोर्चों पर अच्छी खबरें लगातार सामने आ रही हैं, जो देशवासियों का उत्साह बढ़ाती हैं।

ये संकल्प यूं ही नहीं लिए जाते। इन्हें सार्वजनिक रूप से लिया जाता है। फेसबुक-ट्विटर-इंस्टा और पब्लिक में प्रचारित किया जाता है। 'अघोषित संकल्प' का फल सुखदायी नहीं माना जाता। कोई व्यक्तिगत संकल्प लेता है तो कोई राजनीतिक या साहित्यिक। राजनीतिक-किस्म का संकल्प आम आदमी पर सीधा असर डालता है। जिन मनुष्यों ने जनसेवा करने का संकल्प ले रखा है, वे समय-समय पर इसे 'रीचार्ज' करते रहते हैं। देश और जनता के लिए निष्ठा और सिद्धांत को अपने 'दृढ़ संकल्प' के आगे कभी आड़े नहीं आने देते। इन संकल्पों की विशेषता होती है कि पूरा न होने पर ये स्वतः 'आउटडेटेड' हो जाते हैं। इन्हें पूरा करने की न तो जवाबदेही होती है और न ही मजबूरी। पिछले संकल्प उसी तरह भुला दिए जाते हैं जैसे नए चुनाव से पहले पुराने वादे। जो वादे जितने बड़े संकल्प के साथ किए जाते हैं, उनके पूरा होने की 'आशंका' उतनी ही कम होती है। जनसेवक की मुख्य चिंता यह होती है कि यदि किया गया वादा गलती से पूरा हो गया तो आगे वे किस बात का संकल्प लेंगे। इसलिए हमेशा नए और मौलिक संकल्प लिए जाते हैं।

साहित्यिक संकल्प लेना सबसे आसान है। अमूमन ये अपना 'टार्गेट' पूरा कर लेते हैं। इसके लिए बस मनुष्य को कल्पनाशील होना पड़ता है। वह अचानक एक दिन साहित्यकार बन बैठता है। एक ओर वह दिए हुए सम्मान को वापस लौटाने का संकल्प लेता है तो दूसरी ओर अकादमी के नए अध्यक्ष को शुभकामनाएं भेजने लगता है। एक अनुभवी और संकल्पशील साहित्यकार के लिए अब कुछ भी असंभव नहीं रहा। श्रेष्ठ कवि या प्रख्यात कहानीकार न बन पाने पर वह 'अद्भुत व्यंग्यकार' बनने का संकल्प ले लेता है।

इधर सरकार नए साल में सबको टीका लगाने का संकल्प ले चुकी है और उधर विपक्ष भीषण शीतलहर में 'नई आग' ढूंढ रहा है। सरकार किसानों का भला करने पर तुली हुई है और किसान हैं कि सरकार को तौल रहे हैं। सबके संकल्प संतोषजनक ढंग से सुलग रहे हैं। शायद जल्द सबको गरमाहट का अहसास हो।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

बदनाम राजस्व विभाग की छवि सुधारेंगे मंत्री रामसूरत राय, अपने वेतन से बांटेंगे इनाम

पटना । काम के बदले कुछ लेने की प्रवृति के चलते बदनाम मंत्रियों के सामने भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री रामसूरत राय ने अच्छी नजीर पेश की है। वे हर साल अपने वेतन का एक हिस्सा उन अधिकारियों के बीच ईनाम के तौर पर बांटेंगे, जो बेहतर काम करते हैं। समय पर लक्ष्य हासिल कर लेते हैं। उन्होंने इसकी शुरुआत भी कर दी है। दो महीना पहले उन्होंने कर्मचारी, डीसीएलआर और सीओ को अपने वेतन से ईनाम दिया भी था। मंत्री के मुताबिक कामकाज को लेकर भूमि एवं राजस्?व विभाग की छवि खराब है। इसे सुधारना जरूरी है। वे मानते हैं कि हाल के दिनों में छवि सुधरी है। इसमें और सुधार की जरूरत है।

सुधारेंगे विभाग की छवि- मालूम हो कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के कामकाज की हर महीने रैंकिंग होती है। कर्मचारी से लेकर एडिशनल कलक्टर तक के कामकाज का मूल्यांकन होता है। इसमें बेहतर और खराब काम करने वाले तीन-तीन कर्मियों का चयन होता है। इनाम की रकम इन्हीं के बीच बंटेगी। मंत्री ने पहले कहा था कि बेहतर काम करने वाले कर्मियों को ईनाम के तौर पर 11 हजार रुपये दिए जाएंगे। लेकिन, उन्होंने साल भर में अपने वेतन से सिर्फ एक लाख 11 हजार रुपया देने की घोषणा की है। इस रकम से सभी कर्मियों को 11-11 हजार रुपये नहीं दिए जा सकते हैं। मंत्री ने कहा कि वे रकम बढ़ाने पर भी विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा-हमारी चिंता विभाग की छवि को लेकर है। महत्वपूर्ण विभाग है। राज्य के हरेक नागरिक को इस विभाग से काम पड़ता है।

पिछले साल हुई थी बदनामी- राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग हमेशा चर्चा में रहा है। पिछले साल विभाग की भारी बदनामी हुई थी। तत्कालीन मंत्री राम नारायण मंडल ने बड़े पैमाने पर अंचलाधिकारियों का तबादला किया था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को तबादले में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। उनके आदेश पर तबादला रूका। नए सिरे से इसे दोबारा जारी किया गया। मंडल विधानसभा चुनाव तो जीत गए, लेकिन उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया है।

पश्चिम चंपारण: वीटीआर के जंगल में गैंडे के हमले में वनपाल घायल, हाथ व पैर में लगी चोट

बगहा (पश्चिम चंपारण) । वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के गोनौली वन क्षेत्र के कदमहिया वन कंपार्ट से सटे सरेह के पास गन्ने के खेत में डेरा जमाए एक गैंडे ने गोनौली वन क्षेत्र के प्रभारी वनपाल बृजेश पासवान पर हमला कर घायल कर दिया। उन्हें इलाज के लिए पीएचसी हरनाटांड़ में भर्ती कराया गया। इलाज कर रहे चिकित्सक डॉ. राजेन्द्र काजी ने ने बताया कि गैंडे के हमले में जख्मी वनकर्मी के दोनों हाथों व दाहिने पैर में चोट लगी है। दाहिने पैर व दाएं हाथ का एक्सरे कराया गया है। जिसमें कोई खतरे की बात नहीं है। फिर भी बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। गोनौली वन क्षेत्र के प्रभारी रेंजर सह प्रशिक्षु डीएफओ मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि शुक्रवार की सुबह सूचना मिली कि वन क्षेत्र के कदमहिया कंपार्ट के समीप के सरेह में एक गैंडा गन्ने के खेत में डेरा जमाए हुए है। जिसके भय से लोग अपने खेतों में जाने से कतरा रहे हैं। इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए उसकी निगरानी के लिए प्रभारी वनपाल बृजेश पासवान के नेतृत्व में वनरक्षी नीरज कुमार व अन्य वनकर्मियों की टीम को मौके पर भेजा गया। इस दौरान वाल्मीकिनगर से गैंडा ट्रैकर को भी बुला लिया गया था। मौके पर स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ जमा थी। वहीं गैंडा भी उनके नजदीक पहुंच रहा था। स्थिति भांपते हुए प्रभारी वनपाल ग्रामीणों को गैंडे से दूर हटाने में लगे थे। इतने में गैंडे ने तेजी से दौड़ते हुए पीछे से उन पर हमला कर दिया। काफी मशक्कत व वनकर्मियों की सक्रियता के बाद उन्हें वहां से निकाला गया। हालांकि वे खतरे से बाहर हैं। प्रशिक्षु डीएफओ ने बताया कि वे स्वयं मौके पर गैंडा ट्रैकर के साथ उसकी निगरानी में लगे हैं। हालांकि इस समय गैंडा वाल्मीकिनगर वन परिक्षेत्र के दरुआबारी गांव के समीप जंगल में है। जहां टीम उसकी निगरानी में लगी है। इधर ग्रामीणों को सतर्क किया गया है कि न उस ओर न जाएं।

यह कैसा शांति मार्च पंजाब में बड़े पैमाने पर ट्रैक्टरों में लगवाए जा रहे हैं लोहे के रॉड

चंडीगढ़ । दिल्ली में 26 जनवरी को ट्रैक्टर मार्च के लिए पूरे पंजाब में तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। इसे देखकर लग रहा है कि इस बार किसान पूरी तैयारी के साथ आने वाले हैं। कहने को मार्च शांतिपूर्ण होगा लेकिन जिस तरह से तैयारियां की जा रही हैं उसे देखकर लग रहा है कि किसान संगठन पुलिस बल का सामने करने की तैयारी पहले से ही कर रहे हैं। जालंधर, लुधियाना और कई जिलों में ट्रैक्टरों को विशेष रूप से सुधारा जा रहा है। इनमें ट्रैक्टरों के आगे लोहे के तीखे राड लगाए जा रहे हैं ताकि अगर कोई पुलिस कर्मी उन्हें रोकने की कोशिश करे तो उन पर ट्रैक्टर चढ़ाकर उन्हें पीछे हटने को मजबूर किया जा सके।

जिस तरह 26 नवंबर को हरियाणा पुलिस की ओर से रास्ते में बड़े बड़े पत्थर लगाकर रास्ता रोका गया था वैसी स्थिति से निपटने के लिए भी किसान तैयारी कर रहे हैं। पत्थर हटाने के लिए ट्रैक्टरों के इंजनों को बड़ा करवाया जा रहा है। आम तौर पर पंजाब में बड़ी खेती करने वाले किसानों के पास 55 हार्स पावर के ट्रैक्टर हैं लेकिन 26 जनवरी के ट्रैक्टर मार्च में शामिल होने के लिए 120 हार्स पावर से 180 हार्स पावर के ट्रैक्टर तैयार करवाए जा रहे हैं, ताकि किसी भी प्रकार के अवरोध को हटाया जा सके।

ट्रैक्टरों के आगे बड़ी बड़ी प्लेटें भी लगाई जा रही हैं ताकि भारी सामान को हटाया जा सके। आमतौर पर ट्रैक्टरों पर दो बड़े पहिए होते हैं लेकिन इन ट्रैक्टरों पर इस प्रकार के चार पहिए लगाए जा रहे हैं ताकि इन्हें भारी चीजें खींचकर हटाने में दिक्कत न आए।

भाकियू के प्रधान बलबीर सिंह राजेवाल ने बेशक इस तरह की सूचनाओं के मद्देनजर किसानों से शांति बनाए रखने की अपील की है लेकिन किसानों की तैयारियों को देखकर लग रहा है कि वह बल का प्रयोग भी कर सकते हैं। शिरोमणि अकाली दल के सीनियर नेता और दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान मनजिंदर सिंह सिरसा समेत कई नेता इस प्रकार की तैयारियों के वीडियो इंटरनेट मीडिया पर भी अपलोड कर रहे हैं। यही नहीं, कई किसान ऐसे भी हैं जो अपने साथ ले जा रहे महिलाओं, बुजुर्गो के लिए विशेष इंतजाम वाली ट्रालियां बनवा रहे हैं ताकि उन्हें आराम रहे।

भाजपा की पहली सूची जारी, एके शर्मा के साथ डॉ. दिनेश शर्मा, स्वतंत्रदेव व लक्ष्मण आचार्य के नाम

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 28 जनवरी को होने वाले विधान परिषद के चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने आज पहली सूची जारी कर दी है। 12 सीटों के लिए होने वाले चुनाव के लिए भाजपा ने 14 जनवरी को ही पार्टी की सदस्यता लेने वाले पीएम मोदी के करीबी पूर्व नौकरशाह अरविंद कुमार शर्मा के साथ तीन और के नाम की घोषणा की है।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव के लिए आज घोषित भाजपा की पहली सूची में पूर्व आईएएस अधिकारी एके शर्मा का भी नाम है। शर्मा कल ही लखनऊ में भाजपा में शामिल हुए थे। विधान परिषद के लिए भाजपा ने उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह, पूर्व आईएएस अरविंद शर्मा और काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष रहे लक्ष्मण आचार्य को अपना प्रत्याशी बनाया।

विधायकों की संख्या के अनुसार भाजपा 12 में से दस सीट आराम से जीत सकती है। समाजवादी पार्टी ने भी इस बार दो प्रत्याशी उतारकर चुनाव को रोमांचक बना दिया है। बसपा ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं जबकि कांग्रेस के पास तो किसी को सहयोग देने लायक विधायक हैं।

मऊ निवासी गुजरात कैडर के पूर्व आईएएस अधिकारी अरविंद शर्मा ने बृहस्पतिवार को भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने उन्हें सदस्यता ग्रहण कराते हुए कहा कि अरविंद शर्मा के भाजपा में शामिल होने से भाजपा और प्रदेश एवं केंद्र सरकार को मजबूती मिलेगी।

भाजपा प्रदेश मुख्यलय पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा अरविंद शर्मा ने गुजरात में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के सचिव और 2014 से अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालय में सचिव जैसे अहम भूमिका में रहे है। अरविंद शर्मा ने यूपी में भी समाज सेवा के क्षेत्र में काम किया है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य से मिले एमएलसी प्रत्याशी एके शर्मा- भारतीय जनता पार्टी के विधान परिषद प्रत्याशी घोषित होने के बाद गुजरात कैडर के रिटायर्ड आइएएस अधिकारी अरविंद कुमार शर्मा ने लखनऊ में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य से भेंट की।

मकर संक्रांति पर गुरुवार को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले मऊ के निवासी एके शर्मा ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य से शुक्रवार को उनके सरकारी आवास, कालीदास मार्ग पर जाकर भेंट-मुलाकात की।

सीतामढ़ी में ममता बनर्जी और टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर परिवाद दायर, लगा ये आरोप

सीतामढ़ी । सीतामढ़ी में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी के सांसद कल्याण बनर्जी के खिलाफ परिवाद दायर किया गया है। यह शिकायत सीजेएम राजेश पाण्डेय की अदालत में अधिवक्ता ठाकुर चंदन सिंह ने किया है। अधिवक्ता ने उक्त परिवाद की कॉपी ईमेल के माध्यम से कोर्ट को भेजी है।

सीता माता पर विवादित टिप्पणी का लगा आरोप- पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एवं उनके पार्टी के सांसद कल्याण बनर्जी पर सीतामढ़ी में परिवाद दायर किया गया है। यह परिवाद आइपीसी की विभिन्न धाराओं में दर्ज हुआ है। बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने माता सीता को लेकर एक कथित विवादित बयान दिया था। कल्याण बनर्जी के इस बयान पर विपक्षी भाजपा ने जबरदस्त हंगामा किया, वहीं अब सीतामढ़ी में सिविल कोर्ट के अधिवक्ता ठाकुर चंदन सिंह ने केस दर्ज कराया है।

अधिवक्ता ठाकुर चंदन सिंह ने सीजेएम राजेश पाण्डेय की अदालत में ईमेल के माध्यम से बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और टीएम सांसद कल्याण बनर्जी को आरोपित करते हुए उनके विरुद्ध धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और देश में सामाजिक सौहार्द बिगाडऩे का आरोप लगाते हुए मुकदमा दाखिल किया है। दाखिल परिवाद मे में बताया है कि बंगाल की मुख्यमंत्री के सामने उनकी पार्टी के नेता सह सांसद कल्याण बनर्जी ने हिन्दू धर्म के आराध्य भगवन श्रीराम और माता सीता के संदर्भ में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जो धार्मिक सौहार्द बिगाडऩे वाला बयान था।

खरमास के बाद अब नहीं चलेगा बहाना; बिहार में शुरू होंगे ठप पड़े सभी सियासी काम

पटना । बिहार में सत्ता और सियासत के कई सारे कार्य खरमास के बहाने रुके पड़े हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार में मंत्रिमंडल का विस्तार हो या विधान परिषद के उपचुनाव के लिए नामांकन या फिर राज्यपाल कोटे के 12 विधान पार्षदों के मनोनयन की अनुशंसा; सभी कार्यों के रास्ते के सारे अवरोध शुक्रवार से हट जाएंगे। विपक्ष के भी कई शुभ कार्यों को खरमास के खत्म होने का इंतजार है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को प्रदेश भर में धन्यवाद यात्रा निकालनी है, जिसके लिए उन्हें भी खरमास के खत्म होने की प्रतीक्षा थी। पक्ष-प्रतिपक्ष के कुछ शीर्ष नेताओं और प्रवक्ताओं के दावों की भी अग्निपरीक्षा होनी है, जिन्होंने दूसरे के दल में खरमास बाद टूट-फूट का दावा किया था।

खरमास के बाद मंत्रिमंडल विस्तार की उम्मीद- बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की नई सरकार के बने हुए दो महीने बीत चुके हैं। मुख्यमंत्री समेत नई सरकार के 15 मंत्रियों ने पहली बार 16 नवंबर को शपथ ली थी। तब दावा किया गया था कि जल्द ही मंत्रिमंडल का दूसरा विस्तार होगा। किंतु प्रतीक्षा लंबी होती चली गई। इसी बीच खरमास शुरू हो गया तो कहा गया कि अब मंत्रिमंडल विस्तार मकर संक्रांति के बाद होगा।

विधान पार्षदों की सीटों पर अब होगा चुनाव- राज्यपाल कोटे के 12 विधान पार्षदों की सीटें पिछले साल सात मई से ही रिक्त चली आ रही हैं। पहले कोरोना संक्रमण, फिर विधानसभा चुनाव के बहाने मामला टलता गया। विधानसभा कोटे की दो रिक्त सीटों पर उपचुनाव भी होने हैं।

खरमास के चलते उसपर भी विचार करने की जरूरत नहीं समझी गई। किंतु शुक्रवार से कोई बहाना नहीं चलेगा। सियासतदानों को सारे काम निपटाने होंगे या बताना पड़ेगा कि क्या अड़चन है

बीजेपी समेत सबके दावों की अग्निपरीक्षा- बड़ा सवाल तो यह भी है कि पक्ष-विपक्ष के दावे के मुताबिक क्या राजनीतिक दलों में टूट हो सकती है तोड़-फोड़ के दावे में सारे के सारे दल शामिल थे। सबने एक-दूसरे के बारे में दावे कर रखे हैं। भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रभारी भूपेंद्र यादव ने राष्ट्रीय जनता दल के बारे में खरमास खत्म होने के बाद बड़ी टूट की भविष्यवाणी कर रखी है। उसके पहले आरजेडी की ओर से श्याम रजक ने दावा किया था कि जनता दल यूनाइटेड के 17 विधायक उनके संपर्क में हैं। तेज प्रताप यादव ने भी कुछ ऐसा ही दावा कर रखा है। जेडीयू के नेता-प्रवक्ता भी पीछे नहीं रहे। संसदीय दल के नेता राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह को आभास हुआ कि बीजेपी चाहेगी तो आरजेडी का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। आरजेडी का बीजेपी में विलय हो जाएगा। कांग्रेस के एक पूर्व विधायक भरत सिंह ने तो अपनी ही पार्टी में टूट की भविष्यवाणी कर दी। उन्होंने संख्या भी गिन ली। कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा और विधानमंडल दल के नेता अजीत शर्मा समेत 11 विधायक जेडीयू के संपर्क में हैं, जो खरमास बाद पाला बदलने वाले हैं।

खरमास के बाद आरजेडी की पहली बैठक- तेजस्वी यादव को लग रहा है कि बिहार में मध्यावधि चुनाव हो सकता है। इसलिए आरजेडी को चुनाव के लिहाज से तैयार करना चाह रहे हैं। खरमास खत्म होते ही उन्होंने शनिवार को आरजेडी के प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक बुलाई है। खरमास के बाद यह किसी भी दल की पहली बैठक होगी। तेजस्वी को कई चीजों की तैयारी करनी है। धन्यवाद यात्रा की तारीख तय करनी है। किसानों और बेरोजगारों के मुद्दे पर महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के मौके पर 30 जनवरी को पूरे प्रदेश में मानव श्रृंखला बनानी है।

अखिलेश यादव की मौजदगी में सपा के प्रत्याशी अहमद असन व राजेंद्र चौधरी ने किया नामांकन

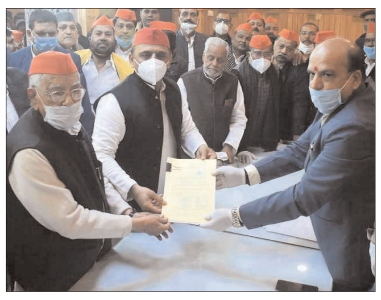

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव में समाजवादी पार्टी के दोनों प्रत्याशियों ने शुक्रवार को अपना नामांकन दाखिल कर दिया। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की मौजूदगी में पार्टी के उम्मीदवारों पूर्व मंत्री तथा विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष अहमद हसन व राजेंद्र चौधरी ने विधान भवन में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। अखिलेश यादव ने इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के दोनों उम्मीदवारों की जीत का दावा किया।

उन्होंने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आने वाले 2022 के चुनाव में जनता भाजपा को उखाड़ फेंकने के लिए तैयार है। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार शर्मा को विधान परिषद चुनाव में प्रत्याशी घोषित करने पर तंज करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करानी चाहिए। उन्होंने वैक्सीन का टीका मुफ्त लगाने की मांग दोहराते हुए सरकार की खामोशी पर सवाल भी उठाया।

अखिलेश यादव ने बसपा मुखिया मायावती को जन्मदिन पर बधाई दी। इस अवसर पर जब उनसे पूछा गया कि बसपा तो 2022 में विधानसभा का चुनाव अकेले लड़ेगी तो उन्होंने कहा कि यह तो उनका फैसला है। हमको इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देनी है।

प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के कार्य पर अखिलेश यादव ने कहा कि यह लोग तो जहां बुल्डोजर चलने हैं वहां नहीं चला रहे हैं। हर काम में भेदभाव से ऊपर उठ ही नहीं पा रहे हैं। भाजपा की केंद्र सरकार किसान के लिए काले कानून लाई है तो उत्तर प्रदेश सरकार किसानों का शोषण कर रही है। विधानसभा चुनाव 2022 में इनको सारे काम का फल मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव 2022 बिल्कुल अलग तरह का होगा। जनता तो इनको इनके कामों का अहसास करा देगी।

उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड में अकेले चुनाव लड़कर सरकार बनाएगी बसपा: मायावती

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने 65वें जन्मदिन पर आज बड़ी घोषणा की। मायावती ने मीडिया को संबोधित किया और कहा कि बसपा उत्तर प्रदेश के साथ ही उत्तराखंड में अकेले चुनाव लड़ेगी। पार्टी 2022 में किसी के साथ भी गठबंधन नहीं करेगी और उत्तर प्रदेश में अपने दम पर अपनी सरकार बनाएगी।

बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड में होने वाले विधानसभा के आम चुनाव में बसपा बिहार की तरह किसी भी दल से गठबंधन न करके अपने दम पर चुनाव लड़कर अपनी सरकार बनाएगी। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता एक बार फिर 2022 के विधानसभा चुनाव में 2007 की तरह ही सरकार बनाने का काम करें। साथ ही अन्य राज्यों में भी बसपा का जनाधार बढ़ाए। उनके लिए जन्म दिन का यही सबसे बड़ा तोहफा होगा।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने आज अपने जन्म दिन के अवसर पर कहा मेरी पार्टी गरीबों और दलितों के हितों के लिए काम करती है। लेकिन कुछ राजनीतिक दल हमें बांटना चाहते हैं। विपक्ष हमेशा कुचक्र रचा करता है।

उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि वह भटके नहीं और विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाए। उन्होंने कहा कि बसपा ने कभी अपनी विचारधारा से समझौता नहीं किया और कुर्सी तक छोडऩे का काम किया है।

सरकार कृषि के तीनों कानून वापस ले- मायावती ने केन्द्र सरकार से आग्रह किया कि वह किसानों के हित में कृषि के तीनों कानून वापस लेने का काम करें। केन्द्र सरकार किसानों की मांगों को मान लेना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि 16 जनवरी से कोरोना का टीकाकरण शुरू हो। केंद्र सरकार से अनुरोध है कोराना वैक्सीकरण का काम फ्री में हो यदि केंद्र ऐसा काम नहीं करती तो फिर अन्य प्रदेश की सरकारें वैक्सीनेशन का काम फ्री में करे।

बसपा सरकार बनने पर यूपी में फ्री में टीकाकरण- मायावती ने कहा कि बसपा सरकार बनने पर यूपी में फ्री में टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कारण मेरे कार्यकर्ता बेहद सादगी से मेरा जन्म दिन मना रहे हैं।

उन सभी का आभार व्यक्त करती हूं। इस अवसर पर उन्होंने हर बर्थडे के अवसर पर स्वलिखित पुस्तक के हिन्दी और अंग्रेजी संस्करण का विमोचन किया। इसके साथ ही पार्टी के हर कार्यकर्ता से सकारात्मक उर्जा के साथ काम करने को कहा है।

रूपेश के भाई नंदेश्वर सिंह ने कहा- हत्यारों की गिरफ्तारी पटना पुलिस के बूते की बात नहीं, सीबीआइ को सौंपे जांच

पटना । इंडिगो एयरलाइंस के पटना स्टेशन हेड रूपेश सिंह की सरेशाम गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में पटना पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं। लगभग 70 घंटे बाद भी पुलिस को न तो हत्या का कारण पता चल पाया और न ही अपराधियों की पहचान हो पाई। इससे नाराज रूपेश सिंह के भाई नंदेश्वर सिंह ने हत्याकांड की जांच सीबीआइ से कराने की मांग की है।

एएनआइ के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक, नंदेश्वर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 48 घंटे के अंदर अपराधियों की गिरफ्तारी करने का अल्टीमेटम दिया था। लेकिन, अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। हमें लगता है कि पटना पुलिस-प्रशासन अपराधी को गिरफ्तार करने में नाकाम साबित हो रही है। ऐसी सूरत में मुख्यमंत्री को हत्याकांड की जांच सीबीआइ को सौंप देना चाहिए।

मालूम हो कि 12 जनवरी की शाम शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र के पुनाईचक मोहल्ले में स्थित कुसुम विला अपार्टमेंट में रूपेश सिंह की हत्या उस वक्त कर दी गई थी, जब वे ड्यूटी से घर लौटे थे। वे बेसमेंट में गाड़ी पार्क कर उतरने वाले ही थे कि अपराधियों ने ऑटोमेटिक पिस्टल से ताबड़तोड़ गोलियों की बौछार शुरू कर दी। करीब डेढ़ दर्जन राउंड गोलियां बरसाई गईं, जिसमें छह गोली रूपेश को लगी और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी फरार हो गए थे। मगर अब तक दावे हवा-हवाई साबित हुए।

इस घटना के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई। आनन-फानन में पुलिस मुख्यालय ने पटना सिटी एसपी, मध्य विनय तिवारी के नेतृत्व में एसआइटी गठित की, जिसमें तेज-तर्रार अफसरों को शामिल करने की बात कही गई। साथ ही 48 घंटे के भीतर अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित कराने और स्पीडी ट्रायल के तहत उन्हें सजा दिलाने का दावा किया गया था।

थल सेना दिवस पर मिनी मैराथन : मेरठ में अफसरों-जवानों ने दिया बलवान और समर्थ बनने का संदेश

मेरठ । भारतीय सेना की ओर से इस साल के थल सेना दिवस की थीम भारतीय सेना बलवान और समर्थ रखा गया है। इसी तरह बलवान और समर्थ बनकर अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए स्वस्थ रहने और खुश रहने का संदेश लोगों तक पहुंचाने के लिए सेना ने शुक्रवार को छावनी में मिनी मैराथन का आयोजन किया। आरवीसी सेंटर एंड कॉलेज स्थित हेलीपैड से शुरू हुई मिनी मैराथन में छावनी में तैनात विभिन्न यूनिटों के नौ अफसर व 110 जेसीओ व अन्य रैंक के जवानों ने हिस्सा लिया। मिनी मैराथन में युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए स्वयं आरवीसी सेंटर एंड कॉलेज के कमांडेंट मेजर जनरल प्रमोद बत्रा ने भी दौड़ में हिस्सा लिया और 10 किलोमीटर की दौड़ 49.48 मिनट में पूरी भी की।

सर्दी के मौसम में चारों ओर कोहरे की चादर के बीच जवानों का उत्साह दौड़ को लेकर काफी अधिक देखने को मिला। सेना के जवानों ने एक दूसरे को थल सेना दिवस की बधाई देते हुए दौड़ में हिस्सा लिया। इस दौड़ को तीन आयु वर्ग में आयोजित किया गया। इसमें पहला वर्ग 18 से 30 साल तक का था। दूसरा वर्ग 30 से 40 साल और तीसरा वर्ग 40 साल से ऊपर के आयु वर्ग के लिए निर्धारित था। आरवीसी के हेलीपैड से दौड़ शुरू हुई। यहां से निकलने के बाद डॉग ट्रेनिंग फैकल्टी रोड होते हुए 522 रोड, बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी के सामने से आरवीसी कैंटीन, आम भाग, 115 इंजीनियर, रुड़की रोड, लेखा नगर चर्च, रीगल रोड, माल रोड, डोगरा मंदिर, डबल गेट और फायरिंग रेंज होते हुए वापस हेलीपैड पर समाप्त हुई।

सभी को मिला पदक- सेना की ओर से मिनी मैराथन में हिस्सा लेने वाले सभी लोगों के लिए पदक रखे गए थे। मैराथन में तीनों आयु वर्ग में प्रथम तीन विजेताओं को सम्मानित किया गया। वहीं अन्य धावकों को पदक पहनाया गया। गोल्डन कलर का पदक सीने पर लटकने के बाद हर जवान और अफसर के चेहरे खिले नजर आ रहे थे। दौड़ में हिस्सा लेने वाले जवानों में युवा वर्ग के जवानों के साथ ही सीनियर जवान, जेसीओ भी थे, जिन्होंने दौड़ के दौरान लगातार युवाओं का मनोबल बढ़ाया और अपनी दौड़ भी पूरी की। ऐसे मौके भी दिखे जहां युवा और सीनियर एक साथ दौड़कर मिनी मैराथन पूरा करते हुए फिनिश लाइन तक पहुंचे। दौड़ के दौरान आखिरी 50 से 100 मीटर की दौड़ में कई बार दो से तीन धावकों में कड़ी प्रतिस्पर्धा भी देखने को मिली। कोई आगे निकला तो उसे पीछे करने के लिए पीछे वाले ने जोर लगाया और फिनिश लाइन तक यह सिलसिला जारी रहा। फिनिश लाइन के आसपास खड़े आरवीसी व सेना के अन्य अफसरों ने जवानों के साथ धावकों का स्वागत तालियों की गड़गड़ाहट के बीच में किया। साथ ही टाइमर लेकर खड़े लोगों ने दौड़ समाप्त होने के साथ ही सभी को उनके टाइमिंग भी बताएं जिससे उन्हें भी दौड़ पूरी करने में लगे अपने समय की जानकारी हो सके।

जो स्वास्थ्य के प्रति जागरूक, वही सबसे खुश- कमांडेंट आरवीसी सेंटर एंड कॉलेज के कमांडेंट मेजर जनरल प्रमोद बत्रा ने सेना दिवस पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि इस साल थल सेना दिवस की थीम स्ट्रांग एंड कैपेबल है। इसकी शुरुआत एक मैराथन से करने से अच्छा और क्या हो सकता है, जिसमें हम अपनी फिजिकल फिटनेस दिखाएं और लोगों को भी फिट रहने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि सर्दी और कोविड की बंदिशों के बीच मिनी मैराथन को लेकर दिखे उत्साह में नजर आता है कि सेना पूरी तरह फिट और सक्षम है। कमांडेंट ने कहा कि अधिकतर जवानों ने 10 किलोमीटर की दौड़ आधे घंटे में ही पूरी कर ली है। आधे घंटे में 10 किलोमीटर की दौड़ को पूरा करना अच्छे फिटनेस को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जो स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हैं, वही सबसे खुश रहते हैं। इसलिए सभी को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए। विशेष तौर पर भारतीय सेना के जवान को हमेशा स्वस्थ और सक्षम रहना होगा जिससे हम सेना को नंबर वन बनाएं रखें।

डांस सीखना है तो काम के हो सकते हैं

नोरा फतेही

के ये सीक्रेट्स, खुद माधुरी दीक्षित की हैं फैन

एक्ट्रेस नोरा फतेही के डांस के उनके फैन्स खासतौर पर दीवाने हैं। भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में तेजी से जगह बनाने वालीं नोरा फतेही ने अपने डांस के सीक्रेट्स बताए हैं। एक न्यूज पोर्टल से बात करते हुए नोरा फतेही ने कहा कि उन्होंने किसी से डांस नहीं सीखा है बल्कि खुद ही अभ्यास किया है। नोरा फतेही को ओ साकी साकी और दिलबर गाने पर शानदार डांस के जरिए भारतीय इंडस्ट्री में जगह मिली थी। नोरा फतेही का कहना है कि वह ट्रेन्ड डांसर नहीं हैं बल्कि खुद ही अभ्यास करके काफी कुछ सीखा है। नोरा फतेही ने कहा कि उन्होंने डांस को सीखने के लिए काफी रिसर्च किया है।

नोरा फतेही ने कहा कि वह अकसर रिसर्च करती हैं। कभी एक ही फॉर्म, एक ही कल्चर, म्यूजिक या भाषा तक सीमित नहीं रही हैं। उनका कहना है कि उन्हें वैराइटी पसंद है और अलग-अलग तरीके से हमेशा चीजें करना पसंद रहा है। उन्होंने कहा कि इसी के चलते उनके डांस में विविधता आई है। नोरा कहती हैं कि डांस के मामले में वह खुद से ही प्रभावित हैं। नोरा फतेही का कहना है कि वह खुद को कमरे में बंद कर लेती थीं और मिरर के सामने स्टेप्स करती थीं। यह देखती थीं कि कैसे स्टेप्स पड़ रहे हैं। इस तरह से मैं लगातार तब तक अभ्यास करती थी, जबकि मैं सही डांस नहीं करने लगती थी।

यही नहीं नोरा फतेही ने कहा कि उन्होंने दुनिया भर के दिग्गजों से प्रेरणा ली है। नोरा फतेही का कहना है कि उन्होंने शकीरा, माधुरी दीक्षित, बेयोंसे, रिहाना और जेनिफर लोपेज से काफी कुछ सीखा है। उनका कहना है कि वह इन सिलेब्रिटीज से हमेशा प्रेरणा लेती रही हैं। प्रोफेशनल तौर पर बात करें तो आखिरी बार नोरा फतेही रेमो डिसूजा के 'Street Dancer xDÓ में नजर आई थीं। इस फिल्म में वरुण धवन और श्रद्धा कपूर लीड रोल में थे। इस मूवी को फैन्स और फिल्म समीक्षकों की ओर से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी।

बता दें कि नोरा फतेही ने हाल ही में करीना कपूर के साथ What Women Want चैट शो में कहा था कि वह उनके बेटे तैमूर अली खान से शादी करना चाहती हैं। नोरा फतेही की इस बात को सुनकर करीना कपूर चौंक गई थीं। करीना कपूर ने नोरा फतेही से कहा था कि अभी तो वह 4 साल का ही है। इसके जवाब में नोरा फतेही ने कहा कि मैं इंतजार करने के लिए तैयार हूं।

जान्हवी कपूर

का बेली डांस सोशल मीडिया पर छाया, देखें- श्रीदेवी की बेटी की अदाएं

बॉलीवुड एक्टर जान्हवी कपूर की अदाकारी के बारे में तो सभी लोग जानते हैं, लेकिन वह काफी अच्छी डांसर भी हैं। हाल ही में उन्होंने करीना कपूर के गाने %सन सनाना% पर बेली डांस का वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। जान्हवी कपूर ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा है, %बेली डांस के सेशन मिस कर रही हूं।% जान्हवी कपूर बीते कुछ से कथक डांस सीख रही हैं। अकसर वह अपने डांस के वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। अपने डांस और अदाओं से वह फैन्स को काफी लुभाती रही हैं।

अब उनका यह डांस सोशल मीडिया पर सनसनी का कारण बना हुआ है। इस वीडियो में वह करीना कपूर के गाने सन सनाना पर बेली डांस करती दिख रही हैं। इसमें उनके मूव्स काफी शानदार नजर आ रहे हैं। उन्होंने इस गाने पर ऐसी परफॉर्मेंस दी है, जैसे वह कोई प्रोफेशनल डांसर हों। उनके डांस को देखकर कोई भी यह कह सकता है कि इन दिनों वह डांस की काफी अच्छी प्रैक्टिस कर रही हैं। यही नहीं डांस स्टेप्स के साथ ही उनके एक्सप्रेशंस भी काफी अच्छे लग रहे हैं। वीडियो में उनके ठुमके और झटके काफी पसंद किए जा रहे हैं। वह एक फ्लो में डांस करती नजर आ रही हैं।

धड़क मूवी में एक्टिंग कर चुकीं जान्हवी कपूर ने डांस वीडियो में पायजामा पहना हुआ है और क्रॉप टॉप पहना है। जान्हवी कपूर मशहूर एक्ट्रेस रहीं श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी हैं। जान्हवी कपूर ने 2018 में ही धड़क मूवी से अपने करियर की शुरुआत की थी।

इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था। इसके अलावा वह अंग्रेजी मीडियम में भी एक्टिंग कर चुकी हैं। इस फिल्म में दिवंगत अभिनेता इरफान भी शामिल थे। फिलहाल जान्हवी कपूर %दोस्ताना 2% और गुड लक जेरी मूवी में काम कर रही हैं।

अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा काम करने की जगह करती हैं खुद को असुरक्षित महसूस, वीडियो शेयर कर बताया

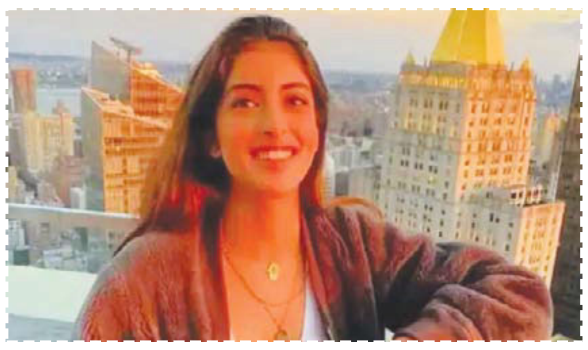

बॉलीवुड स्टार किड्स आजकल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हो गए हैं। इसमें सुहाना खान, इरा खान, नव्या नवेली नंदा और इब्राहिम अली खान समेत कई नाम शामिल हैं। हाल ही में अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा ने काम करने की जगह पुरुषों द्वारा बेवकूफ समझे जाने को लेकर खुलकर बात की। कुछ ही समय पहले नव्या ने खुद का इंस्टाग्राम अकाउंट पब्लिक किया है। तभी से वह सुर्खियों में हैं। फिल्मी बैकग्राउंड से ताल्लुक रखने वाली नव्या ने पिता निखिल नंदा के नक्शे कदम पर चलने का फैसला लिया है।

24 साल की नव्या 'आरा' की को-फाउंडर हैं। यह एक हेल्थकेयर पोर्टल है। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म के जरिए वह महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं पर बात करती हैं। हाल ही में नव्या ने एक लाइव चैट वीडियो के जरिए कंपनी के को-फाउंडर्स के साथ बातचीत की। इसमें उन्होंने इनसिक्यूरिटीज (खुद को होने वाली असुरक्षा और खतरों) पर बात की। साथियों से महसूस होने वाले खतरे पर चर्चा की। इसका सामना वह किस तरह कर रही हैं, इस पर बात रखी।

बातचीत के दौरान नव्या ने बताया कि पुरुष-प्रधान पेशे में काम करने को लेकर वह खुद को कितना असुरक्षित महसूस करती हैं। पुरुषों से बात करते हुए भी वह यही महसूस करती हैं। उन्होंने बताया कि कई बार ऐसा भी हुआ है जब वेंडर्स और डॉक्टर्स ने बातचीत के दौरान उन्हें बेवकूफ समझा है। गलत तरह से बात की है।

नव्या का कहना है कि हर बार उन्हें खुद को साबित करना पड़ता है कि वह सक्षम हैं। हम सभी के सामने कई बार ऐसी स्थिति आती है। इसके साथ होती है घबराहट महसूस। ऐसा लगता है कि यह व्यक्ति मुझे बेवकूफ समझता है, यह मेरे से इस तरह बात क्यों कर रहा है? मुझे लगने लगता है कि ठीक है, मुझे खुद को प्रूव करने की जरूरत है।

सपना चौधरी ने बेटे का रखा है काफी अलग नाम, फैन्स से बातचीत में बताया, लॉन्च किया नया चैनल

देसी क्वीन कहीं जाने वाली सपना चौधरी के फैन्स के लिए एक अच्छी खबर हैं। सपना चौधरी ने यूट्यूब पर अपना चैनल लॉन्च किया है। इस चैनल पर वह अपने गानों को अपलोड किया करेंगी। इसकी शुरुआत 20 जनवरी को लॉन्च होने वाले गाने लोरी से हो रही है। इस गाने के बारे में बताते हुए सपना चौधरी ने कहा कि यह मेरा अपना ही कॉन्सेप्ट था और खुद मैंने ही इसे साकार करने का काम किया है।

सपना चौधरी ने गाने के बैकग्राउंड को लेकर कहा कि अपने बच्चे को हर मां पूरी दुनिया के मुकाबले 9 महीने ज्यादा जानती हैं। कई लोग हरियाणा के ठेकेदार हैं, जो कहते हैं कि मैं हरियाणा के लिए कुछ नहीं करती। लेकिन ऐसा नहीं है, मैंने हरियाणा के लिए भी काफी गाने बनाए हैं। हम अपना चैनल लेकर आ रहे हैं। इस चैनल का नाम है, ड्रीम्स एंटरटेनमेंट हरियाणवी। इस चैनल पर सपना चौधरी का पहला गीत लोरी लॉन्च होने वाला है।

लोरीगाने को लेकर सपना चौधरी ने कहा कि यह मेरा ही कॉन्सेप्ट था, जिसे मैंने साकार किया है। सपना चौधरी ने कहा कि इसे तमाम कंपनियों ने खारिज किया था। इसके बाद मैंने खुद से ही इसे तैयार किया है। मैं हर महीने कुछ ऐसी प्रजेंटेशन देना चाहूंगी कि वह किसी न किसी चीज से कनेक्ट हो। इस गाने में हमने मां और बेटे का कनेक्शन दिखाया है।

एक फैन की ओर से बेटे का नाम पूछे जाने पर सपना चौधरी ने कहा कि अभी नहीं बताऊंगी। बेटे का नाम बेहद यूनिक है। समय आने पर मैं ढंग से बताऊंगी। उन्होंने कहा कि एक चैनल और लॉन्च किया गया है, देसी क्वीन सपना चौधरी। इसमें दर्शकों को सपना चौधरी की डांस परफॉर्मेंस देखने को मिलेंगी। बता दें कि सपना चौधरी अक्टूबर में मां बनी हैं और उसके बाद एक बार फिर से हरियाणवी म्यूजिक इंजस्ट्री में धमाल मचा रही हैं। मां बनने के बाद से उनके अब तक तीन गाने आ चुके हैं और लोरी चौथा सॉन्ग होगा।

पहले दिन का खेल समाप्त, ऑस्ट्रेलिया ने बनाए 274 रन; खोए 5 विकेट

ब्रिसबेन। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी और निर्णायक मुकाबला ब्रिसबेन के ब्रिसबेन क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने 87 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 274 रन बना लिए हैं। कैमरोन ग्रीन 28 और टिम पेन 38 रन बनाकर नाबाद हैं।

ऑस्ट्रेलिया की पारी, लाबुशाने का शतक

भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के ओपनर डेविड वार्नर एक बार फिर से नाकाम रहे। मोहम्मद सिराज ने पहले ही ओवर में रोहित शर्मा के हाथों उनको स्लिप में कैच करा वापस भेजा। टीम के दूसरे ओपनर मार्कस हैरिस को स्पेल की पहली गेंद पर शार्दुल ठाकुर ने वॉशिंग्टन सुंदर के हाथों कैच करवाया। महज 5 रन बनाकर हैरिस आउट हुए। तीसरे विकेट के लिए लाबुशाने और स्मिथ के बीच 50 से ज्यादा रन की साझेदारी हुई।

भारत को तीसरी सफलता वॉशिंग्टन सुंदर ने दिलाई, जिन्होंने स्टीव स्मिथ को 36 रन के निजी स्कोर पर रोहित शर्मा के हाथों कैच आउट कराया। वहीं, मार्नस लाबुशाने ने 195 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। भारत के खिलाफ उनका ये पहला टेस्ट शतक है। ऑस्ट्रेलिया को चौथा झटका मैथ्यू वेड के तौर पर लगा जो 45 रन बनाकर टी नटराजन की गेंद पर शार्दुल ठाकुर के हाथों कैच आउट होकर पवेलियन लौटे। ऑस्ट्रेलिया का पांचवां विकेट मार्नस लाबुशाने के रूप में गिरा जो 108 रन की शानदार पारी खेलने के बाद टी नटराजन की गेंद पर रिषभ पंत के हाथों कैच आउट हुए।

मैच में भारतीय टीम में चार बदलाव किए गए हैं। जसप्रीत बुमराह, हनुमा विहारी, रवींद्र जडेजा और आर अश्विन चोट की वजह से मैच के बाहर हैं। भारत की तरफ से टी नटराजन और वॉशिंग्टन सुंदर आज के मैच में अपना टेस्ट डेब्यू करने जा रहे हैं। इस मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम ने एक बदलाव किया है। चोटिल ओपनर विल पुकोस्वकी की जगह मार्कस हैरिस को शामिल किया गया है।

रोहित शर्मा, शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रिषभ पंत (विकेटकीपर), वॉशिंग्टन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, नवदीप सैनी, मोहम्मद सिराज और टी नटराजन

ऑस्ट्रेलिया का प्लेइंग इलेवन

डेविड वार्नर, मार्कस हैरिस, मार्नस लाबुशाने, स्टीव स्मिथ, मैथ्यू वेड, कैमरोन ग्रीन, टिम पेन (कप्तान और विकेटकीपर), पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, नाथन लयोन और जोश हेजलवुड। एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया ने जीत हासिल कर सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई थी जबकि मेलबर्न में भारतीय टीम ने जीत दर्ज करते हुए बराबरी हासिल की। सिडनी में खेला गया तीसरा मैच ड्रॉ हुआ था। चौथे टेस्ट मैच निर्णायक है जिसे भी यहां जीत मिलेगी सीरीज उसकी होगी। मैच ड्रॉ होने की सूरत में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भारत के पास ही रहेगी। पिछले दौरे पर सीरीज में भारतीय टीम ने 2-1 से जीत हासिल की थी।

मार्नस लाबुशाने ने ठोका दमदार शतक, भारतीय गेंदबाजों की नाक में किया दम

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही चार मैचों की टेस्ट सीरीज के आखिरी मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम के बल्लेबाज मार्नस लाबुशाने ने शतक ठोका है। ये इस सीरीज का तीसरा शतक है, जबकि ऑस्ट्रेलिया की ओर से ये इस सीरीज का दूसरा शतक है। वहीं, एक शतक भारत की ओर से भी लगा है, जो कप्तान अजिंक्य रहाणे ने ठोका है। उस मैच में

भारत को जीत मिली थी, जबकि पिछले मैच में स्टीव स्मिथ ने शतक जड़ा था।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के मिडिल ऑर्डर बैट्समैन मार्नस लाबुशाने ने इस सीरीज में कई अच्छी पारियां खेलीं, लेकिन वे पहली बार तीन अंकों के स्कोर को हासिल करने में सफल हुए। यहां तक कि भारतीय टीम के खिलाफ मार्नस लाबुशाने का ये पहला शतक है। लाबुशाने ने गाबा के मैदान पर 195 गेंदों में 9 चौकों की मदद से शतक ठोका है। लाबुशाने के इस शतक से पहली पारी में मेजबान टीम को मजबूती भी मिली है, क्योंकि उन्होंने साझेदारियां की हैं।

लाबुशाने ने पहले स्टीव स्मिथ के साथ 50 से ज्यादा रन की साझेदारी तीसरे विकेट के लिए की और फिर मैथ्यू वेड के साथ उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई पारी को आगे बढ़ाया। खबर लिखे जाने तक उन्होंने चौथे विकेट के लिए 100 से ज्यादा रन की साझेदारी की और टीम को अच्छी स्थिति में पहुंचाया। हालांकि, एक दो बार उनको भारतीय खिलाड़ियों की तरफ से जीवनदान भी मिला, जिसका भरपूर फायदा उन्होंने उठाया। दाएं हाथ के बल्लेबाज मार्नस लाबुशाने ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज नवदीप सैनी, शार्दुल ठाकुर, टी नटराजन और मोहम्मद सिराज के साथ-साथ स्पिनर वॉशिंग्टन सुंदर को भी जमकर परेशान किया। लाबुशाने इससे पहले भी इस सीरीज में भारतीय टीम के लिए घातक साबित हुए हैं। पिछले मैच में वे एक पारी में 91 और दूसरी पारी में 73 रन बनाकर आउट हुए थे, जबकि पहले दोनो मैचों में उन्होंने 40-40 से ज्यादा की पारियां खेली थीं।

भारतीय टीम मैनेजमेंट पर बरसे पूर्व स्पिनर, कहा- कुलदीप यादव के आत्मविश्वास की धज्जियां उड़ाई

नई दिल्ली। भारतीय टीम की तरफ ब्रिसबेन में वॉशिंग्टन सुंदर को टेस्ट डेब्यू करने का मौका दिया गया। कुलदीप यादव टीम में अनुभवी स्पिनर होने के बाद भी चौथे मैच के लिए प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना पाए। कमेंट्री के दौरान पूर्व भारतीय स्पिनर मुरली कार्तिक ने इसे कुलदीप के आत्मविश्वास की धज्जियां उड़ाने वाला बताया। पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ और संजय मांजरेकर ने भी कुलदीप को मौका नहीं दिए जाने पर निराशा जताई।

कमेंट्री के दौरान मुरली ने कहा, यह किसी भी गेंदबाज के लिए दिल दुखाने वाला होता है कि अनुभव होने के बाद भी उनको सीरीज में खेलने का मौका ना मिले। कुलदीप यादव ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्पिनर के तौर पर आए थे लेकिन उनसे पहले वॉशिंग्टन सुंदर को खेलने का मौका दिया गया। यह इस स्पिनर के लिए आत्मविश्वास तोड़ने वाले है।

जडेजा और अश्विन के नहीं होने के बाद उनको लगा होगा कि वह मैच खेलेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ऐसा में उनके आत्मविश्वास की धज्जियां उड़ गई होगी। मुरली ने आगे कहा, यह किसी खास के खिलाफ नहीं है ना ही टीम मैनेजमेंट के लिए बल्कि उस खिलाड़ी के लिए खराब लगता है जो मैच खेलने का हकदार है। अगर सीरीज में आपके पीछे से कोई गेंदबाज आगे आकर खेल जाए और अनुभव के बाद भी आप मौका नहीं पाए तो यकीनन बहुत ही खराब लगता है।

मोहम्मद कैफ ने कहा, यह एक गेंदबाज के लिए हौसला तोड़ने वाला होता है क्योंकि वह सीरीज में एक भी मैच नहीं खेल पाए। आप देख सकते हैं वो जब कोलकाता नाइट राइडर्स के अपने साथी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी से बात कर रहे हैं तो चेहरे पर कैसी मायूसी है। यह साफ नजर आ रहा है कि वह कितने ज्यादा निराश हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाड़ी को हुए कोरोना

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज से हुआ बाहर

ढाका। मेजबान बांग्लादेश के खिलाफ अगले सप्ताह से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले मेहमान टीम को एक बड़ा झटका लगा है। दरअसल, कैरेबियाई टीम के एक खिलाड़ी को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है। लगातार दो दिन हुए कोविड 19 टेस्ट में हेडन वॉल्श जूनियर को पॉजिटिव पाया गया है। ऐसे में उनको बाकी खिलाड़ियों से अलग रखा है और उन पर निगरानी रखी जा रही है। सीरीज का पहला मैच 20 जनवरी से होना है।

वेस्टइंडीज के लेग स्पिनर हेडन वॉल्श जूनियर कोविड-19 पॉजिटिव निकले हैं। इसी वजह से वह बांग्लादेश के साथ 20 जनवरी से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। वॉल्श में किसी तरह के लक्षण नहीं हैं। यहां तक कि बांग्लादेश आने के बाद उनका जो पहला कोरोना टेस्ट हुआ था। उसमें वे निगेटिव निकले थे, लेकिन बुधवार को ढाका में उनका टेस्ट पॉजिटिव आया। इतना ही नहीं, गुरुवार को उनका फिर से कोविड 19 टेस्ट हुआ था और फिर से वे पॉजिटिव पाए गए।

लेग स्पिनर इस समय आइसोलेशन में हैं। वे किसी के संपर्क में नहीं आए हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक बयान में कहा, ÷वॉल्श वेस्टइंडीज टीम से अलग आइसोलेशन में हैं और वह इस समय टीम के फीजिशियन डॉ प्रेमानंद सिंह की देखरेख में हैं।

बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज और दो मैचों की टेस्ट सीरीज अपने तय कार्यक्रम के मुताबिक खेली जाएगी। वेस्टइंडीज के खिलाड़ी को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद भी इस सीरीज पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ऐसा पहला मौका नहीं है जब सीरीज से पहले किसी खिलाड़ी को टेस्ट में पॉजिटिव पाया गया था। इतना ही नहीं, उनको तो यूके के नए स्ट्रेन से संक्रमित

कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है। हाल ही में श्रीलंका पहुंची इंग्लैंड की टीम के ऑलराउंडर मोइन अली को भी कोविड 19 पाया गया था। ऐसे में श्रीलंका की सरकार के होश उड़ गए थे, क्योंकि वे इंग्लैंड के ही रहने वाले हैं।

> वेस्टइंडीज के लेग स्पिनर हेडन वॉल्श जूनियर कोविड-19 पॉजिटिव निकले हैं। इसी वजह से वह बांग्लादेश के साथ 20 जनवरी से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं।
> वॉल्श में किसी तरह के लक्षण नहीं हैं। यहां तक कि बांग्लादेश आने के बाद उनका जो पहला कोरोना टेस्ट हुआ था।

फाइनल टेस्ट मैच के दौरान भारतीय टीम को लगा बड़ा झटका, इस खिलाड़ी को जाना पड़ा अस्पताल

नई दिल्ली। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चोटों से परेशान होना पड़ा है, क्योंकि एक या दो नहीं, बल्कि आधा दर्जन से ज्यादा खिलाड़ी चोट का शिकार हुए हैं। यहां तक कि ब्रिसबेन के गाबा में खेले जा रहे आखिरी टेस्ट मैच में भारतीय टीम मैनेजमेंट ने जैसे-तैसे प्लेइंग इलेवन तैयार की। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि भारतीय टीम मैनेजमेंट ने नेट गेंदबाज के तौर पर टीम के साथ जुड़े रहे वॉशिंग्टन सुंदर को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया था। वहीं, मैच के पहले दिन भारत के लिए एक और बुरी खबर सामने आई।

दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में गेंदबाजी कर रहे तेज गेंदबाज नवदीप सैनी को चोट लगी। यहां तक कि एक ही गेंद पर भारतीय टीम को दो झटके लगे, क्योंकि जिस गेंद को फेंकते हुए नवदीप सैनी चोटिल हुए थे। उसी गेंद पर टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशाने का एक आसान से कैच छोड़ा। इस तरह एक गेंद पर भारत के लिए दो बुरी खबरें सामने आईं। गेंद को फेंकने के बाद नवदीप सैनी चोटिल हो गए थे और फीजियो को बुलाना पड़ा था। इसके बाद उनको मैदान से बाहर जाना पड़ा। क्ष्टष्टढ्ढ ने जानकारी देते हुए कहा है कि मेडिकल टीम सैनी की चोट पर नजर बनाए हुए है। नवदीप सैन को चोट के कारण स्कैन के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा है।नवदीप सैनी गेंद फेंकने के बाद अपनी ग्रोइन को पकड़कर बैठ गए थे। उनको दर्द में देखा जा रहा था। इसके बाद फीजियो

ने उनकी जांच की और उनको मैदान से बाहर ले गए। ये पूरा वाकया ऑस्ट्रेलिया की पारी के 36वें ओवर के दौरान हुआ, जब मार्नस लाबुशाने बल्लेबाजी कर रहे थे। पांचवीं गेंद फेंकने के बाद नवदीप मैदान से बाहर गए। ऐसे में टीम के उपकप्तान रोहित शर्मा ने उनके ओवर की एक गेंद को फेंका। रोहित शर्मा ने आखिरी बार टेस्ट क्रिकेट में गेंदबाजी साल 2019 में की थी। यहां तक कि रोहित शर्मा 2020 में एक भी मैच नहीं खेल सके थे।

रोहित शर्मा ने की फिटनेस पर उंगली उठाने वालों की बोलती बंद, पकड़ा हैरतअंगेज कैच

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिसबेन के गाबा में खेले जा रहे फाइनल टेस्ट मैच के पहले दिन रोहित शर्मा एक ऐसा कैच पकड़ा, जो किसी भी फील्डर के लिए आसान नहीं होता। रोहित शर्मा ने न सिर्फ कैच पकड़ा, बल्कि उन तमाम आलोचकों की बोलती भी बंद कर दी, जो उनकी फिटनेस को लेकर बात करते हैं कि रोहित शर्मा की फिजिक क्रिकेट के लायक नहीं है।

दरअसल, टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलियाई टीम बल्लेबाजी करने उतरी थी। पारी का पहला ओवर भारत के लिए मोहम्मद सिराज करा रहे थे, जो कि इस मैच में भारत के सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं। हालांकि, उनको भी सिर्फ 3 ही मैचों का अनुभव है। ऐसे में सिराज ने अपने पहले ही ओवर में एक मौका बनाया, जिसे रोहित शर्मा ने जाया नहीं जाने दिया।

रोहित शर्मा ने एक ऐसा हैरतअंगेज कैच पकड़ा, जो आसान नहीं था।

पहले ओवर की छठी गेंद पर सिराज को थोड़ा स्विंग मिला और डेविड वार्नर ने बल्ला चला दिया। गेंद स्लिप में किनारा लग कर चली गई। भारत तीन स्लिप के साथ पहले ओवर में गेंदबाजी कर रहा था। रोहित शर्मा दूसरी स्लिप में थे, लेकिन वार्नर का जो कैच आया वो पहली स्लिप और विकेटकीपर के बीच में था, लेकिन रोहित शर्मा पूरी मुस्तैदी के साथ गेंद पर नजर बनाए हुए थे और उन्होंने कैच के लिए डाइव लगाई।रोहित ने पहले स्लिप और विकेटकीपर के बीच नीचे गिरते हुए जमीन से कुछ इंज ऊपर कैच पकड़ा और उन सभी की बोलती बंद कर दी, जो रोहित शर्मा की फिजिक पर सवाल उठाते हैं। इसके कुछ ही देर बाद उन्होंने शॉर्ट मिडविकेट पर स्टीव स्मिथ का नीचे रहता हुआ कैच भी पकड़ा और साबित कर दिया कि भले ही उनका शरीर थोड़ा वजनी लगता है, लेकिन वे हर क्षेत्र में मुस्तैद रहते हैं।

थाईलैंड ओपन में भारत की चुनौती समाप्त: सेकंड राउंड में हारकर बाहर हुईं साइना

श्रीकांत इंजरी की वजह से टूर्नामेंट से हटे

नई दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन प्लेयर साइना नेहवाल और किदांबी श्रीकांत थाईलैंड ओपन से बाहर हो गए हैं। साइना को सेकंड राउंड में बुसानन ओंगबामरुंगफान ने 23-21, 14-21, 16-21 से हराया। वहीं, वर्ल्ड नंबर-14 किदांबी श्रीकांत भी काफ मसल इंजरी के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। टूर्नामेंट में भारत की चुनौती समाप्त हो गई।

पहला गेम जीतने के बाद बाकी दोनों गेम हारीं साइना

वर्ल्ड नंबर-20 साइना ने वर्ल्ड नंबर-12 बुसानन के खिलाफ पहला गेम 23-21 से अपने नाम किया। इसके बाद बुसानन ने शानदार वापसी की और बाकी दोनों गेम्स में जीत हासिल की। पहले राउंड में साइना ने मलेशिया की किसोना सेल्वादुरई को 21-15, 21-15 से हराया था। साइना की हार के साथ ही थाईलैंड ओपन के वुमन्स सिंगल्स कैटेगरी में भारत की चुनौती समाप्त हो गई। पीवी सिंधु मंगलवार को पहले राउंड के मुकाबले में वर्ल्ड नंबर-18 डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट ने 21-16, 24-26, 13-21 से हारकर बाहर हो गईं थीं। वहीं, ही श्रीकांत का मुकाबला वर्ल्ड नंबर-10 मलेशिया के ली जी जिया से होना था। चोट की शिकायत के बाद मलेशियाई खिलाड़ी को वॉकओवर दिया गया और वह अगले राउंड में पहुंच गए। श्रीकांत ने बुधवार को पहले राउंड के मुकाबले में भारत के ही सौरभ वर्मा को हराया था। उन्होंने 31 मिनट तक चले मुकाबले में वर्ल्ड नंबर-30 सौरभ को 21-12, 21-11 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई थी।

थाईलैंड ओपन में मेन्स सिंगल्स से भारत के सभी खिलाड़ी बाहर हो चुके हैं। वर्ल्ड नंबर-28 एचएस प्रणय को पहले राउंड के मुकाबले में ली जी जिया के हाथों 21-13, 14-21, 8-21 से हार का सामना करना पड़ा था। यह मुकाबला 55 तक खेला गया।